बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मुख्य संवाददाता : इन्द्रजीत सिंह मो. 9582093548

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 20 ● अंक: 19 ● नई दिल्ली ● मंगलवार 24 अगस्त 2021 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 8

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष

मो. 08750202102

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन

बी-2/370, सुल्तानपुरी

दिल्ली-86

कोरोना का थमा कहर तो बढ़ गए एचआईवी पॉजिटिव मरीज

बरेली. कोरोना महामारी का कहर थमा तो जिले में एचआईवी पॉजिटिव मरीजों की संख्या बढ़ रही है। बीते जून-जुलाई में 89 मरीज खोजे जा चुके हैं। जबकि अप्रैल महीने में यह आंकड़ा महज 22 का था। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जिले में एचआईवी पॉजिटिव मरीजों की तलाश का दायरा लगातार बढ़ रहा है और यह रोगियों की संख्या बढ़ने की बड़ी वजह है। एचआईवी पॉजिटिव मरीजों की तलाश, जांच के लिए जिला अस्पताल में 2012 में एआरटी सेंटर खोला गया था। यहां जिले के सभी एचआईवी पॉजिटिव मरीजों का रिकॉर्ड रखा जाता है। उनको समय-समय पर दवा दी जाती है और साथ ही एचआईवी से बचाव के तरीकों के बारे में जागरूक किया जाता है। कोरोना की दूसरी लहर थमने के बाद अचानक एआरटी सेटर में एचआईवी पॉजिटिव मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। यहां बीते दो माह में 89 एचआईवी पॉजिटिव मरीज मिल चुके हैं।

औरैया में साल भर की बच्ची के साथ हैवानियत, गंभीर हालत में सैफई रवाना

औरैया। औरैया के एक भट्ठा पर काम करने वाले परिवार की एक साल की बच्ची के साथ चौबीस वर्षीय युवक ने हैवानियत की। बच्ची की हालत बिगड़ने पर उसे छोड़कर भाग गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे सेफई मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। पुलिस ने हैवानियत करने वाले युवक को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। भट्ठे पर ही काम करने वाला खागा, फतेहपुर निवासी रईस यहां काम करने वाले परिवार से घुला मिला था और अक्सर बच्ची को खिलाने के बहाने साथ ले जाता था। रविवार रात भी वह बच्ची को ले गया और उसके साथ हैवानियत की। जब उसकी हालत बिगड़ गई तो उसे रोता छोड़कर वहां से भाग निकला। रोने की आवाज सुनकर लोग वहां पहुंचे तो बच्ची खून से लथपथ पड़ी थी। परिवार के लोग बच्ची को जिला अस्पताल ले गए।डॉक्टरों ने उसकी हालत देख उसे सैफई रेफर कर दिया। घटना की सूचना पुलिस को न तो भट्ठा मालिक ने दी और न ही अस्पताल के डाक्टरों ने। भट्ठे के पास स्थित एक गांव तक खबर पहुंची तो वहां से एक ग्रामीण ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दबिश देकर आरोपित युवक को दबोच लिया। एसपी अपर्णा गौतम ने कहा कि आरोपित युवक को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। बच्ची की सुरक्षा के लिए एक दरोगा व सिपाही की ड्यूटी सैफई मेडिकल कालेज में लगाई गई है। परिजनों से बात हुई है, बच्ची खतरे से बाहर है।

जहरीली चाय पीने से एक ही परिवार के पांच लोग बीमार, मासूम की मौत

बहराइच. यूपी के बहराइच में सुबह की चाय पीने से एक ही परिवार के तीन लोग व दो रिश्तेदारों की हालत बिगड़ गई। जब तक लोग कुछ समझ पाते तब तक सभी को उल्टियां होने लगी। परिवारीजनों ने सभी को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान दो वर्षीय मासूम की मौत हो गई। जबकि चार की हालत गंभीर बनी हुई है। सूचना पाकर फौरन सीएमएस डॉ.ओपी पाण्डेय भी इमरजेंसी कक्ष में पहुंच गए। इलाज कर रहे डॉक्टरों का कहना है कि चाय जहरीली थी। वहीं पीड़ित परिजन का कहना है कि उसकी बहू ने चाय बनाई थी, जिसे पीने के बाद सभी की हालत बिगड़ गई। कोतवाली देहात क्षेत्र के मछियाही गांव निवासी लगभग 55 वर्षीय पंचम जायसवाल पुत्र रामफल के घर में सोमवार की सुबह लगभग सात बजे चाय बनाई गई। इसके बाद पंचम तथा उसके पुत्र 24 वर्षीय जितेन्द्र कुमार, चार वर्षीय श्रृष्टि पुत्री धर्मेन्द्र चाय पीने लगे। रक्षाबंधन त्यौहार पर रिश्तेदारी में आए थाना रानीपुर के गोबरहा गांव निवासी सात वर्षीय ननकई पुत्री ओमकार व श्रावस्ती जिले के थाना गिलौला के कमलिया गांव निवासी दो वर्षीय रुद्रांश भी चाय पीने लगे। इस बीच एक ही साथ सभी लोगों को उल्टियां शुरू हो गईं। कुछ ही मिनटों में सभी हालत बिगड़ गई।

परेशान परिवारीजन सभी को लेकर सुबह लगभग साढ़े सात से आठ बजे मेडिकल कॉलेज बहराइच पहुंचे। मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी कक्ष में मौजूद डॉक्टरों ने सभी का इलाज शुरू किया। सूचना मिलते ही मेडिकल कॉलेज के सीएमएस भी इमरजेंसी कक्ष पहुंचे और अपने सामने सभी का इलाज शुरू कराया। इस दौरान कमलिया गांव निवासी रुद्रांश की लगभग एक घंटे बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। इमरजेंसी मेडिकल ऑफीसर (ईएमओ) डॉ.शिवम मिश्रा ने बताया कि सभी को चाय जहरीली थी। एक दो वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। इसमें श्रृष्टि की हालत गंभीर बनी हुई है। शेष खतरे से बाहर हैं। वहीं पीड़ित पंचम ने बताया कि उनकी बहू ने सुबह चाय बनाई थी। जिसे पीने के बाद सभी की हालत बिगड़ गई। बहराइच मेडिकल कॉलेज सीएमएस डॉ.ओपी पांडेय ने कहा कि मछियाही से पांच लोग आए थे। उसमें एक बच्चे की मौत हो गई थी। बाकी चार लोग ठीक हैं उनकी रिकवरी हो रही है। चाय पीने के बाद प्वाइजिंग हुई थी।

जर्मन चांसलर से प्रधानमंत्री मोदी ने की बात

अफगानिस्तान में शांति को बताया दुनिया के लिए जरूरी

दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जर्मन चांसलर एंजेला मार्केल से सोमवार शाम बातचीत की। इस दौरान दोनों नेताओं ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय, बहुपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि इस दौरान अफगानिस्तान के ताजा हालात पर भी दोनों नेताओं ने चर्चा की। इस बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने भारत और जर्मनी के बीच रणनीतिक हिस्सेदारी को मजबूत करने के संबंध में भी प्रतिबद्धता जाहिर की। पीएमओ से मिली जानकारी के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जर्मन चांसलर एंजेला मार्केल ने अफगानिस्तान में लगातार बदलते सुरक्षा हालात पर चर्चा की। साथ ही इस पर भी बात की गई कि यहां के हालात पर क्षेत्रीय और दुनिया की राजनीति पर किस तरह से असर पड़ रहा है। दोनों नेताओं ने इस दौरान में शांति और सुरक्षा के महत्व पर भी जोर दिया गया। पीएमओ ने बताया कि प्रधानमंत्री ने भी कहा कि मौजूद हालात में इन दोनों चीजों की बहुत ज्यादा जरूरत है। इसके अलावा जर्मन चांसलर एंजेला मार्केल और प्रधानमंत्री मोदी के बीच कई अन्य मुद्दों पर भी बातचीत हुई। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय एजेंडा पर भी चर्चा की। इनमें कोविड 19 वैक्सीनेशन में आपसी सहयोग पर जोर दिया गया। साथ ही विकास, जलवायु और ऊर्जा क्षेत्र सहयोग की भी चर्चा की गई। दोनों नेताओं ने व्यापार और आर्थिक रिश्तों पर भी जोर दिया।

अफगानिस्तान संकट पर मोदी सरकार ने बुलाई सर्वदलीय मीटिंग

नई दिल्ली. अफगानिस्तान में पैदा हुए संकट पर बातचीत के लिए केंद्र सरकार ने 26 अगस्त को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस मीटिंग में अफगानिस्तान में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए सरकार की ओर से किए गए प्रयासों की जानकारी विपक्षी दलों को दी जाएगी। इसके अलावा अफगानिस्तान में तालिबान राज के बाद भारत सरकार क्या कूटनीतिक कदम उठा रही है, इस पर भी चर्चा होने की संभावना है। यह बैठक 26 अगस्त को सुबह 11 बजे होगी। इससे पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने विदेश मंत्रालय से कहा था कि वह अफगानिस्तान में हुए घटनाक्रम की जानकारी संसद में राजनीतिक दलों के नेताओं को दे।विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस बारे में ट्वीट कर बताया था, अफगानिस्तान में घटनाक्रम के मद्देनजर पीएम नरेंद्र मोदी ने आदेश दिया है कि संसद में सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को पूरी जानकारी दी जाए। इस संबंध में आगे की जानकारी संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी देंगे। माना जा रहा है कि इस मीटिंग में सरकार सभी राजनीतिक दलों को अफगानिस्तान में हुए घटनाक्रम की जानकारी देगी। इसके अलावा अफगानिस्तान में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए क्या प्रयास किए गए हैं, इस बारे में भी बताया जाएगा।

बचकर निकली महिला पुलिसकर्मी ने बताई खौफनाक सच्चाई

नई दिल्ली. एक सप्ताह पहले अफगानिस्तान पर कब्जा करने वाले तालिबान की क्रूरता और दरिंदगी से दुनिया वाकिफ है। महिलाओं पर उनका अत्याचार भी नया नहीं है। तालिबान के हत्थे चढ़ने से पहले भागकर भारत आई एक महिला ने कट्टरपंथियों को लेकर जो खुलासा किया है वह बेहद घिनौना और चौंकाने वाला है। महिला ने आरोप लगाया कि तालिबानी इतने वहशी हैं कि लासों के साथ भी सेक्स करते हैं। साथ ही वह अफगानिस्तान के हर घर से एक लड़की चाहते हैं। अफगानिस्तान से आकर दिल्ली में रह रही मुस्कान नाम की एक महिला ने नेटवर्क 18 से बातचीत में ये बातें कही हैं। कभी पुलिस में रही मुस्कान को तालिबान के खौफ की वजह से अफगानिस्तान छोड़ना पड़ा।

अफगानिस्तान से भारतीयों को सुरक्षित निकालने का सिलसिला जारी, 75 सिख देर रात तक पहुंच जाएंगे भारत

एजेंसियां, नई दिल्ली. अफगानिस्तान से भारतीयों से बाहर निकालने का सिलसिला जारी है। लगातार बदहाल होते हालात के बीच सोमवार को यहां से 75 सिखों को बाहर निकाला गया। इन लोगों दुशान्बे के रास्ते काबुल से निकाला जा रहा है और यह लोग देर रात भारत पहुंचेंगे। दिल्ली सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के चीफ मजिंदर सिंह सिरसा ने इस बात की जानकारी दी। मजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि अफगानिस्तान से एक जरूरी अपडेट आया है। 75 सिखों को काबुल से दुशान्बे के रास्ते निकाला गया है। देर रात तक यह लोग भारत पहुंचेंगे। सिरसा ने एक ट्वीट में कहा कि हम लोग इस बड़े सहयोग के लिए पीएम ऑफिस इंडिया और विदेश मंत्रालय के शुक्रगुजार हैं।

गौरतलब है कि अफगानिस्तान में सिचुएशन लगातार खराब होती जा रही है। यहां से बड़े पैमाने पर लोग देश छोड़कर भाग रहे हैं। 15 अगस्त को अफगान राष्ट्रपति अशरफ गनी के देश छोड़ने के बाद तालिबान ने यहां पर कब्जा कर लिया है। तालिबान का शासन लागू होने के बाद अफगानिस्तान में लगातार स्थितियां खराब होती जा रही हैं। तालिबानी क्रूरता और महिलाओं के प्रति उनके हिंसात्मक व्यवहार को देखते हुए लोग यहां से बाहर निकल रहे हैं। विभिन्न देश अपने नागरिकों को जल्द से जल्द अफगानिस्तान से निकालना चाहते हैं। अफगान देश को छोड़ने के लिए लोग किस हद तक बेकरार हैं इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि लोग उड़ती हुई जहाज के पहियों तक पर सवार हो जा रहे हैं। वहीं भारतीय विदेश मंत्रालय ने अपने सभी नागरिकों को यहां से निकालने का इरादा किया हुआ है।

सलाहकारों पर बुरी तरह घिरे सिद्धू, मनीष तिवारी बोले- ऐसे लोगों को कांग्रेस छोड़ो, देश में रहने का हक नहीं

नई दिल्ली।पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू अपने सलाहकारों को लेकर बुरी तरह से घिर चुके हैं। अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनीष तिवारी ने सिद्धू के दो सलाहकारों की कथित विवादित टिप्पणियों को लेकर सोमवार को पार्टी नेतृत्व से इस पर आत्ममंथन करने का आग्रह किया है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि क्या ऐसे लोगों को पार्टी में होना चाहिए जो जम्मू-कश्मीर को भारत का हिस्सा नहीं मानते और जिनका रुझान पाकिस्तान समर्थक है। पंजाब कांग्रेस प्रमुख नवजोत एस सिद्धू के सलाहकार प्यारे लाल गर्ग और मलविंदर सिंह माली की पाकिस्तान और कश्मीर पर टिप्पणी पर कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने पूछा,क्या ऐसे लोगों को देश में रहने का भी अधिकार है? पार्टी में रहना तो दूर की बात उन्होंने सिद्धू के दोनों सलाहकारों की कथित टिप्पणियों को लेकर यह बयान दिया। पूर्व केंद्रीय मंत्री तिवारी ने ट्वीट किया, मैं कांग्रेस महासचिव एवं पंजाब के प्रभारी हरीश रावत से आग्रह करता हूं कि इसको लेकर गंभीरता से आत्ममंथन करें कि जो जम्मू-कश्मीर को भारत का हिस्सा नहीं मानते और जिनका स्पष्ट रूप से पाकिस्तान समर्थक रुझान है, क्या उन्हें कांग्रेस की पंजाब इकाई का हिस्सा होना चाहिए? यह उन सभी लोगों का मजाक है जिन्होंने भारत के लिए अपना खून बहाया है। प्यारे लाल गर्ग ने मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह द्वारा की गई पाकिस्तान की आलोचना पर सवाल उठाया था। दूसरी तरफ, माली ने संविधान के अनुच्छेद 370 को रद्द करने के मुद्दे पर बात की थी, जिसके तहत तत्कालीन राज्य जम्मू-कश्मीर को एक विशेष दर्जा मिला हुआ था। उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि अगर कश्मीर भारत का हिस्सा था तो धारा 370 और 35ए हटाने की क्या जरूरत थी।इससे पहले अमरिंदर सिंह ने इन कथित टिप्पणियों को लेकर रविवार को सिद्धू से कहा कि वह अपने सलाहकारों को काबू में रखें।

अक्टूबर में आ सकती है कोरोना की तीसरी लहर

बच्चों को लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय चिंतित

नई दिल्ली. केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा गठित एक समिति ने कहा है कि कोरोना वायरस (कोविड -19) बीमारी की तीसरी लहर अक्टूबर के आसपास अपने चरम पर पहुंच सकती है। ये बच्चे वयस्कों की तरह गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को सौंपी गई अपनी रिपोर्ट में, समिति ने डॉक्टरों, कर्मचारियों और वेंटिलेटर और एम्बुलेंस जैसे उपकरणों सहित बाल चिकित्सा सुविधाओं की गंभीर आवश्यकता के बारे में बात की है। रिपोर्ट के अनुसार, MHA के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (NIDM) के तहत विशेषज्ञों की समिति का गठन किया गया था। रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने अन्य बीमारी वाले

बच्चों और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए वायरस के खिलाफ टीकाकरण अभियान को प्राथमिकता देने के बारे में भी लिखा है। बता दें कि देश के दवा नियामकों ने 12 वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों के लिए Zydus Cadila के ZyCoV-D वैक्सीन को मंजूरी दे दी है। यह अभियान अभी शुरू होना बाकी है। इससे पहले, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडवीय ने संकेत दिया था कि बच्चों को सितंबर से वायरस के खिलाफ वैक्सीन की खुराक मिलनी शुरू हो सकती है। करीब 28,0000 वॉलेन्टियर्स पर जायडस कैडिला की प्रभाव क्षमता 66.6 प्रतिशत रही। जानकारी के मुताबिक यह कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ने वाली पहली प्लाज्मा डीएनए वैक्सीन है। इसमें वायरस के जेनेटिक तत्वों का इस्तेमाल किया जाता है।

यह डीएनए या आरएनए को सूचना देते हैं ताकि प्रोटीन बने और इम्युन सिस्टम बढ़े। जायडस कैडिला वैक्सीन को बॉयोटेक्नोलॉजी विभाग के साथ मिलकर बनाया गया है। इस वैक्सीन को बनाने वालों ने जुलाई के महीने में कहा था कि यह वैक्सीन कोविड-19 से लड़ने में काफी सक्षम है। खासकर कोरोना के डेल्टा वैरिएंट से।

किसान आंदोलन से सड़कें जाम होने पर केंद्र सरकार से बोला सुप्रीम कोर्ट, कुछ हल निकालो

नई दिल्ली. किसान आंदोलन के चलते सड़कें बंद होने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा है कि वह इस समस्या का कोई हल निकाले। नोएडा एक शख्स की ओर से दायर याचिका की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह बात कही। याचिकाकर्ता ने मांग की थी कि नोएडा से दिल्ली को जोड़ने वाली सड़कें किसान आंदोलन के चलते बंद हैं और इसकी वजह से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इन सड़कों को खोला जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि आखिर अब तक सड़कें बंद क्यों हैं। प्रदर्शन करने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन सड़कें ब्लॉक नहीं होनी चाहिए। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने केंद्र

सरकार और तीन संबंधित राज्य सरकारों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अदालत ने केंद्र और राज्य सरकारों से कहा कि वे समन्वय स्थापित करें और रोड ब्लॉक को खत्म कराने का प्रयास करें। अर्जी की सुनवाई के दौरान जस्टिस कौल ने कहा, समाधान केंद्र सरकार और संबंधित राज्यों के हाथ में है। किसी भी कारण से सड़कों को बंद नहीं किया जाना चाहिए। इस मसले के समाधान के लिए केंद्र सरकार को समय दिया जाता है। वह इस मसले का समाधान करे और हमें रिपोर्ट सौंपे। अदालत ने केंद्र सरकार को एक तरफ समाधान तलाशने की सलाह दी तो वहीं किसान आंदोलन को लेकर भी नसीहत दी। कोर्ट ने कहा कि किसानों के पास आंदोलन का अधिकार है, लेकिन वे इसके लिए सड़कें नहीं बंद कर सकतीं। वे कहीं और भी आंदोलन कर सकते हैं। नोएडा की रहने वालीं मोनिका अग्रवाल ने कोर्ट में अर्जी दाखिल कर कहा था कि नोएडा से दिल्ली का जो रास्ता महज 20 मिनट का ही था, अब उसमें दो घंटे से ज्यादा का वक्त लग रहा है। <

दिल्ली के प्रमुख व्यापारी संगठन चैंबर्स ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने पुराने इनकम टैक्स पोर्टल को फिर से शुरू करने की मांग की

पुराने इनकम टैक्स पोर्टल को फिर से शुरू करे केंद्र -सीटीआई

नई दिल्ली। दिल्ली के प्रमुख व्यापारी संगठन चैंबर्स ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने पुराने इनकम टैक्स पोर्टल को फिर से शुरू करने की मांग की है। इस संबंध में सीटीआई ने केंद्रीय वित्त मंत्री को पत्र भी लिखा है। सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल और अध्यक्ष सुभाष खंडेलवाल ने बताया कि इनकम टैक्स पोर्टल के काम नहीं करने पर वित्त मंत्रालय ने कड़ा रुख अपनाया है, जिसके तहत वित्त मंत्री ने इन्फोसिस के एमडी और सीईओ को समन भेजकर उनसे इनकम टैक्स पोर्टल में आ रही गड़बड़ी के बारे में जानकारी देने को कहा है। व्यापारी नेताओं ने कहा कि नए पोर्टल को देश की नामी आईटी कंपनी इन्फोसिस ने बनाया है। वहीं तकरीबन तीन महीने पहले 31 मई को वर्षों से काम कर रहा इनकम टैक्स पोर्टल बंद कर दिया गया था। निर्धारित आदेश के अनुसार जून के पहले हफ्ते में इनकम टैक्स की ऑनलाइन सर्विस और यूटिलिटी पूरी तरह से बंद रही। तय वक्त यानि कि 7 जून को पुराने की जगह इनकम टैक्स का नया पोर्टल चालू कर दिया गया। सीटीआई ने वित्त मंत्री से अनुरोध किया है कि नए पोर्टल को अच्छी तरह परखने के बाद ही पुराने पोर्टल को बंद किया जाए। सीटीआई के महासचिव विष्णु भार्गव और रमेश आहूजा ने बताया कि टैक्स पोर्टल सिर्फ रिटर्न फाइल के लिये नहीं होता है। हकीकत यह है कि पोर्टल में कई तरह के काम होते हैं। वह अपने आपमें एक कार्यालय की तरफ काम करता है। व्यापारी नेताओं ने कहा कि ज्यादातर गतिविधियां समय सीमा में इस कदर होती हैं कि एक दिन की देरी से भी भारी नुकसान होता है। इससे इस बात का पता चलता है कि पोर्टल अगर तरीके से काम ना करे या उसकी सिर्फ कुछ यूटिलिटी ही काम न करे तो उसका असर टैक्सपेयर, टैक्सकलैक्टर और टैक्सकंसलटेंट और सीए को परेशान करता है।

CTI® CHAMBER OF TRADE & INDUSTRY

Federation of all India MSME & Trade Associations

इस संबंध में सीटीआई ने केंद्रीय वित्त मंत्री को पत्र भी लिखा है। सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल और अध्यक्ष सुभाष खंडेलवाल ने बताया कि इनकम टैक्स पोर्टल के काम नहीं करने पर वित्त मंत्रालय ने कड़ा रुख अपनाया है, जिसके तहत वित्त मंत्री ने इन्फोसिस के एमडी और सीईओ को समन भेजकर उनसे इनकम टैक्स पोर्टल में आ रही गड़बड़ी के बारे में जानकारी देने को कहा है। व्यापारी नेताओं ने कहा कि नए पोर्टल को देश की नामी आईटी कंपनी इन्फोसिस ने बनाया है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने जयपुर गोल्डन अस्पताल में मौत मामले में जवाब दाखिल करने के लिए दिया समय

नई दिल्ली. दिल्ली हाईकोर्ट ने अप्रैल में जयपुर गोल्डन अस्पताल में कथित तौर पर ऑक्सीजन की कमी के कारण कोविड??-19 के 21 मरीजों की मौत के मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने के अनुरोध वाली याचिका पर जवाब दाखिल करने के लिए सोमवार को केंद्र और दिल्ली सरकार को छह सप्ताह का अतिरिक्त समय दिया। अदालत दिल्ली के अस्पताल में 23 और 24 अप्रैल की मध्यरात्रि को जान गंवाने वाले कुछ मरीजों के परिवारों द्वारा दाखिल याचिका पर सुनवाई कर रही थी। अदालत ने याचिकाकर्ताओं को सरकार के जवाब पर प्रत्युत्तर दाखिल करने की अनुमति दी। न्यायमूर्ति रेखा पल्ली ने मामले को 9 दिसंबर के लिए सूचीबद्ध करते हुए कहा कि तब तक चीजें साफ हो जाएंगी। हम देखेंगे। आपने मजिस्ट्रेटी अदालत का भी रुख किया है। दिल्ली सरकार और केंद्र की ओर से पेश क्रमशः वरिष्ठ अधिवक्ता राहुल मेहरा और स्थायी वकील किरीटमान सिंह ने याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने की अनुमति मांगी। मेहरा ने कहा कि आपराधिक जांच का पहलू मजिस्ट्रेटी अदालत में विचाराधीन है। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश अधिवक्ता उत्सव बैंस ने कहा कि हाईकोर्ट और मजिस्ट्रेटी अदालत के समक्ष अलग-अलग पीड़ित परिवार हैं। सिंह ने कहा कि मुआवजा देने के मुद्दे पर हाईकोर्ट भी विचार कर रहा है।

न्यायाधीश ने कहा कि अपना जवाब दाखिल करें। कोई अंतरिम आदेश पारित नहीं किया जा रहा है। अदालत ने चार जून को केंद्र और दिल्ली सरकार को उस याचिका पर नोटिस जारी किया था जिसमें दलील दी गई थी कि ऑक्सीजन की अपर्याप्त आपूर्ति के कारण सांस लेने में दिक्कतों के कारण मरीजों की मौत हुई, न कि पहले से गंभीर रोगों से ग्रस्त रहने के कारण, जैसा कि दिल्ली सरकार की एक समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि समिति ने एक गलत रिपोर्ट दी है कि ऑक्सीजन की आपूर्ति की कमी के कारण मरीजों का दम नहीं घुटा। याचिका में समिति की रिपोर्ट रद्द करने और मौतों की सीबीआई या किसी स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया गया है ताकि सच्चाई सामने आ सके और मृत लोगों और उनके परिवारों को न्याय मिल सके तथा उन्हें नुकसान की भरपाई की जा सके।

सियासत — क्या सियासत में करीब आ रहे हैं आप और सीएम नीतीश कुमार

प्रधानमंत्री से मिलने के बाद बाहर निकले सीएम नीतीश कुमार और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक सुर में की बात

नई दिल्ली/पटना . जाति आधारित जनगणना को लेकर सोमवार को बिहार के 10 राजनीतिक दलों के प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री से मिलने के बाद बाहर निकले सीएम नीतीश कुमार और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक सुर में बात की। दोनों ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गौर से सुना है। अब उन्हें इस पर फैसला लेना चाहिए। उन्हें उनके निर्णय का इंतजार है। इस दौरान तेजस्वी यादव से मीडिया ने नीतीश कुमार के साथ बढ़ रही नजदीकियों पर सवाल किया। मीडिया ने तेजस्वी से पूछा कि क्या आप और नीतीश कुमार सियासी तौर पर नजदीक आ रहे हैं, क्योंकि मुद्दे मिल रहे हैं। इस पर तेजस्वी ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया कि राष्ट्रीय हित और विकास के मुद्दों पर विपक्ष हमेशा सरकार का साथ देने को तैयार रहता है। उन्होंने कहा कि हमने तो कोरोना काल में सरकार से मदद की पेशकश की थी। कहा था कि जहां भी मदद की जरूरत होगी राजद तैयार है। गौरतलब है कि एक समय में नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव सरकार में साथ थे। बाद में नीतीश कुमार ने राजद का दामन छोड़कर भाजपा के साथ सरकार बना ली। जातिगत जनगणना के मुद्दे पर साथ आए सीएम नीतीश और तेजस्वी यादव ने सोमवार को एक-बार फिर एक-दूसरे को धन्यवाद दिया। सीएम नीतीश ने कहा कि इस मुद्दे पर पीएम से मिलने का प्रस्ताव नेता प्रतिपक्ष का था। उन्होंने ही विपक्ष के तमाम नेताओं से मिलकर सबको एकजुट किया। वहीं तेजस्वी यादव ने कहा कि मुलाकात का समय देने के लिए प्रधानमंत्री और हमारे प्रस्ताव पर पीएम से मुलाकात का समय मांगने और आज प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई करने के लिए सीएम नीतीश कुमार का बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं।

प्रधानमंत्री से मिलने के बाद बाहर निकले सीएम नीतीश कुमार और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक सुर में बात की। दोनों ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गौर से सुना है। अब उन्हें इस पर फैसला लेना चाहिए। उन्हें उनके निर्णय का इंतजार है। इस दौरान तेजस्वी यादव से मीडिया ने नीतीश कुमार के साथ बढ़ रही नजदीकियों पर सवाल किया।

मैंने कब कहा?

बिन्नी के फाइनल एग्जाम खत्म हो गए हैं। इन दिनों वह सुबह मम्मी के बिना जगाए ही जाग जाता है। फिर फटाफट ब्रश करता है और तैयार होकर अपने दादाजी के साथ पार्क चला जाता है। उसके फुर्तीलेपन से मम्मी खुश हैं।

इस साल बिन्नी क्लास 6 में जाएगा। वह नई क्लास में जाने की बात सोचकर काफी खुश है। उसका मन उत्साह से भरा हुआ है। वह दादाजी के साथ रास्ते में चला जा रहा है और सोच रहा है कि आने वाले दिनों में उसे मम्मी के साथ मिलकर कितने काम करने हैं। अपने कबर्ड और अलमारी साफ करनी हैं। पुरानी किताबों और कॉपियों को वहां से हटाना है। नई-नई किताबें, कॉपियां, बोतल, लंच बॉक्स, बैग और ड्रेस खरीदनी हैं। यह सब सोचकर उसका मन रोमांच से भर जाता है।

वह मन-ही-मन प्लान करता है कि इस साल वो मम्मी से जिद करके सब कुछ अपने पसंदीदा ब्लू कलर का ही खरीदेगा। वह सोचता है, 'कितना अच्छा लगेगा। बैग, पेंसिल बॉक्स, बोतल, लंच बॉक्स सबके सब नीले रंग के। जैसा नीला आसमान। कितना प्यारा लगता है! एकदम साफ-साफ, उसे देखकर मन को बहुत शांति मिलती है।'

बिन्नी इन्हीं ख्यालों में गुमसुम सा बिना कुछ बोले चला जा रहा था। तभी दादाजी ने कहा, 'बिन्नी! आज तो हम बहुत जल्दी पार्क पहुंच गए।' उसने जवाब दिया, 'जी हां!'

इसके बाद पार्क में दादाजी अपने दोस्तों के साथ बातचीत करते हुए टहलने लगे। इधर बिन्नी अपने दोस्तों के साथ खेलने में मगन हो गया। उसे अपना प्यारा दोस्त आतिफ जो मिल गया था। बिन्नी ने आतिफ से कहा, 'आतिफ, आज मेरे घर चलो।'

पहले तो आतिफ ने थोड़ा ना-नुकुर किया, फिर तैयार हो गया। दादाजी के साथ दोनों दोस्त घर पहुंचे। बिन्नी के घर पहुंचते ही आतिफ ने अपनी मम्मी को फोन करके बताया कि वह बिन्नी के घर आया हुआ है। दो घंटे खेलकर वापस घर लौट आएगा।

मिसेज वर्मा यानी बिन्नी की मम्मी दोनों दोस्तों को गरमागरम आलू का परांठा नाश्ते में देती हैं। दोनों खुश होकर खाते हैं। तभी बिन्नी की मम्मी ने आतिफ से पूछा, 'आतिफ, तुम्हारा छोटा भाई कैसा है? लगता है, तुम्हें तो उसके साथ खेलने से फुर्सत ही नहीं मिलती है। तभी इतने दिनों बाद आए हो।'

आतिफ कहता है, 'आंटी, मेरा तो कोई छोटा भाई है ही नहीं।'

मिसेज वर्मा आतिफ के जवाब को सुनकर चुप हो जाती हैं। वह बिन्नी की तरफ देखकर मुस्कराती हैं। कहती हैं, 'अरे, मुझसे भूल हो गई। शायद, बिन्नी ने किसी और के बारे में बताया होगा।'

थोड़ी देर बाद आतिफ के पापा आते हैं और उसे लेकर चले जाते हैं और बिन्नी अपना मन पसंदीदा टीवी चैनल देखने में व्यस्त हो जाता है। पर उसकी मम्मी बिन्नी की फिजूल की बातें बनाने की हरकत से परेशान हो सोच में पड़ जाती हैं। उन्हें याद आता है कि अभी न्यू ईयर पर बिन्नी ने ट्यूशन वाली मैडम से कहा था कि वह केक लेकर आएगा। फिर पड़ोस की मिसेज शर्मा से उसने कहा कि इस बार समर वेकेशन में बिन्नी अपनी फैमिली के साथ काठमांडू जाएगा। वगैरह-वगैरह।

इसी ऊहापोह में वो बिन्नी के कमरे में जाती हैं और बोलती हैं, 'बेटा, आज आतिफ ने मुझे गलत समझा होगा। अगर यह बात वह अपने मम्मी-पापा को बताएगा तो उसके पेरेंट्स शायद बुरा मान जाएं, हमसे नाराज हो जाएं। आतिफ तुमसे बात करना बंद कर दे। तुम्हारे साथ खेलना बंद कर दे, क्योंकि तुम मनगढंत और झूठी बातें किसी के बारे में बोल जाते हो।'

आज तो मम्मी और आतिफ की बातें सुनकर बिन्नी मन-ही-मन डर गया था। आज उसे अपनी गलत आदत समझ में आ गई थी। उसने तय किया कि आज के बाद वह इस तरह की बातें कभी किसी के बारे में नहीं कहेगा, जिससे कि किसी को शर्मिंदा होना पड़े। वह धीरे से मम्मी के पास आकर कहता है, 'सॉरी मम्मी। अब ऐसा नहीं करूंगा।'

क्या तुम जानते हो... ऊंट रेगिस्तान में कैसे रह पाता है?

लगभग 40 से 50 साल जिंदा रहने वाले ऊंट के शरीर में विभिन्न प्रकार की खूबियां होती हैं जिनके कारण वह रेगिस्तान के अलग और कठिन वातावरण में रह पाता है। रेगिस्तान में रेतभरी हवाएं चलती हैं जिनसे बचाव के लिए ऊंट की पलकों और कानों पर लंबे बाल होते हैं और इसकी नाक पूरी तरह से बंद हो जाती है। पलकों और कानों पर होने वाले लंबे बालों से रेत आंखों और कानों के अंदर नहीं जा पाती। ऊंट एक हफ्ते से ज्यादा पानी पिए बिना और कई महीनों तक बिना खाने के रह सकता है। ऊंट की एक बार में 46 लीटर तक पानी पीने की क्षमता होती है।

ऊंट की पीठ पर एक कूबड़ होती है जिसमें ऊंट फैट (वसा) इकट्ठा करके रखता है और इसी ऊर्जा से महीनों तक अपना काम चलाता है।

एक स्वस्थ ऊंट के शरीर का तापमान दिनभर में 34 डिग्री सेल्सियस से 41.7 डिग्री सेल्सियस के बीच में बदलता रहता है जिससे ऊंट पसीने के रूप में पानी के क्षय को रोकता है, जब वातावरण में तापमान बढ़ता है। ऊंट के पैर चौड़े होते हैं और उसके वजन को रेत पर फैला देते हैं साथ ही साथ रेत में धंसते नहीं हैं जिससे वह रेत में आसानी से चल पाता है। ऊंट के होठ मोटे होते हैं जिससे वह रेगिस्तान में पाए जाने वाले कांटेदार पौधे भी खा पाता है। इसकी लंबी गर्दन की वजह से यह ऊंचे वृक्षों की पत्तियों को भी खा पाता है। इसके पेट और घुटनों पर रबर जैसी त्वचा होती है जिससे बैठते समय रेत के संपर्क में आने पर भी इसका बचाव हो सके। यह त्वचा ऊंट के उम्र 5 वर्ष का होने के बाद बनती है। ऊंट के शरीर के रंग की वजह से भी इसे रेगिस्तान के मौसम में रहने में आसानी होती है। इसके शरीर पर बालों की एक मोटी परत होती है जिससे यह धूप सह लेता है।

जानिए मजेदार रोचक तथ्य

दुनिया के मजेदार तथ्य जो आप जानना चाहते हैं। हर क्षेत्र के ये मजेदार तथ्य आपको गुदगुदाने के साथ ही आपका ज्ञान भी बढ़ाएंगे। पेश हैं ऐसे ही मजेदार तथ्य-

- खुद को गुदगुदी करना नामुमकिन है क्योंकि दिमाग इस सेंसेशन को नकार देता है।
- वैज्ञानिकों के हिसाब से दिमाग जानबूझकर कुछ चीजों को भूल जाता है ताकि नई चीजों को स्टोर करने के लिए जगह बनी रहे।
- आपका इम्यून सिस्टम हर दिन कम से कम एक ऐसे सेल को खत्म कर देता है जो अगर बचा रह जाए तो कैंसर में तब्दील हो जाए।
- अगर आप अपना फेसबुक अकाउंट ओपन इंटरनेट पर कोई और काम भी कर रहे हैं तो फेसबुक आपकी सारी गतिविधियों को रिकॉर्ड कर रहा है।
- बेनजाइ स्काय डाइविंग एक असली गेम है जिसमें कोई भी व्यक्ति हवाई जहाज से पहले अपना पैराशूट फेंकता है और फिर उसे पकड़ने के कूदता है।
- कैनेडा में एक यूनिवर्सिटी में एक 'पपी रुम' यानी पिल्लों का कमरा है जहां स्टूडेंट्स पिल्लों के साथ खेलकर टेंशन दूर कर सकते हैं।
- कैनेडा में तीन मिलियन से ज्यादा झीलें हैं जो कि सारी दुनिया के देशों को मिलाकर होने वाली कुल झीलों से भी ज्यादा हैं।
- न्यूज़ीलैंड ज़ीलैंडिया नाम के महाद्वीप हिस्सा है जिसका 93 प्रतिशत हिस्सा पानी में डूबा हुआ है।
- सेल फोन रेडिएशन से इंसोमनिया यानी नींद न आने की बीमारी हो सकती है इसलिए सोने के पहले सेल फोन का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।
- हर महीने करीब तीन से पांच बार चॉकलेट खाकर आप अपनी उम्र बढा सकते है। चॉकलेट दिल को मजबूत करती है।
- डॉक्टरों की न समझ में आने वाली लिखावट के कारण हर साल 7,000 से भी ज्यादा लोग मर जाते हैं।
- लाल रंग के वाहनों के एक्सीडेंट अन्य किसी भी रंग के वाहनों की तुलना में ज्यादा होते हैं।
- एक जिराफ की किक इतनी शक्तिशाली होती है कि यह किसी शेर के सिर को धड़ से अलग कर सकती है।
- अबुधाबी के एमीरेट्स पैलेस में एक ऐसी मशीन है जिसमें से नोटों के बजाय सोने के बार निकलते हैं।
- लगातार 17 घंटे जागने पर आपकी काम करने की क्षमता में उतनी ही कमी आती है जितनी की वाइन के दो ग्लास पीने के बाद आती है।
- सन् 1940 के पहले गुलाबी कलर आदमियों का पसंदिदा रंग था जबकि नीले रंग पर महिलाओं का रंग होने की छाप थी।

क्या तुम जानते हो बारिश और इंद्रधनुष का क्या है संबंध...

अक्सर बारिश के मौसम में हमें आसमान में काले बादल और हल्की-हल्की बारिश की फुहारें दिखाई देती हैं और फिर बारिश के बंद होने के बाद जब सूर्य की किरणें बादलों से टकराती हैं तो आकाश में एक अलग ही तरह की रंगबिरंगी आकृति नजर आती है, यही आकृति इंद्रधनुष कहलाती है।

आसमान में इंद्रधनुष का बनना बारिश की नन्ही बूंदों का कमाल है। बारिश के दिनों में बारिश की नन्ही-नन्ही बूंदें प्रिज्म का काम करती हैं। इंद्रधनुष के बनने का सिद्धांत यह है कि जब प्रकाश एक माध्यम से दूसरे माध्यम में प्रवेश करता है थोड़ा-सा झुक जाता है।

एक नन्ही बूंद में दो सतह होती है। जब सूर्य का प्रकाश बूंद के अंदर प्रवेश करता है तो पहली सतह से टकराकर वह थोड़ा झुक जाता है। अब यह हम जानते ही हैं कि सूर्य के प्रकाश में सात रंग होते हैं, तो रंगों के बंडल बूंद में प्रवेश करने के बाद अलग-अलग रंग अपने-अपने हिसाब से झुकते हैं और सातों रंग दिखलाई पड़ जाते हैं।

और फिर जब अलग-अलग हुए रंग दूसरी सतह से बाहर निकलते हैं तो फिर से थोड़ा-थोड़ा झुक जाते हैं और एक रंग का एक पट्टा दूसरे से अलग हो जाता है। इस तरह दो बार झुकने के कारण हमें रंगीन धनुष जैसी आकृति आसमान में दिखलाई पड़ती है जिसे हम इंद्रधनुष कहते हैं। लाल रंग का प्रकाश कम मुड़ता है और इसलिए वह इंद्रधनुष में सबसे ऊपर दिखाई देता है जबकि बैंगनी रंग का प्रकाश सबसे ज्यादा मुड़ता है इसलिए वह सबसे नीचे होता है। शाम के समय जब आसमान में पूर्व में और सुबह के समय पश्चिम में, बारिश के बाद आसमानी, लाल, पीला, नीला, हरा, नीला-बैंगनी रंगों का वृत्ताकार चक्र जैसा दिखाई देता है, इसे ही सप्तरंगी इंद्रधनुष कहते है।

कनॉट प्लेस में शुरू हुआ देश का पहला स्मॉग टावर

नई दिल्ली। दिल्ली में देश का पहला स्मॉग टावर कनॉट प्लेस में शुरू हो गया है। स्थानीय

विधायक और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को इसका उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रदूषण के खिलाफ युद्ध में यह एक अहम पड़ाव है। अमेरिकी तकनीकी से बनाया गया यह स्मॉग टावर एक किलोमीटर के दायरे में हवा को साफ करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक महीने तक इसके परिणाम की निगरानी की जाएगी। अगर परिणाम बेहतर मिले तो दिल्ली के दूसरे प्रदूषित इलाकों में भी स्मॉग टावर लगाया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली के सबसे प्रदूषित क्षेत्र आनंद विहार में स्मॉग टावर लगाने का काम चल रहा है, जो सितंबर तक पूरा हो जाएगा। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि

प्रदूषण से निपटने के लिए आज तक देश में ऐसा स्मॉग टावर कभी नहीं लगाया गया। अमेरिकी तकनीकी से बना यह स्मॉग टावर 24 मीटर ऊंचा है, यह एक किलोमीटर की हवा खींचेगा। हवा को साफ करके नीचे लगे पंखे के सहारे बाहर छोड़ेगा। इस स्मॉग टावर की क्षमता एक हजार घन मीटर प्रति सेकंड है। यानि यह स्मॉग टावर एक हजार घन मीटर हवा प्रति सेकेंड साफ करके बाहर छोड़ेगा। अधिकारियों ने बताया कि यह हवा में छोटे-छोटे धूलकणों को साफ करने की क्षमता रखता है। इसमें थ्री-एम इलेक्ट्रोस्टैटिक एयर फिल्टर का प्रयोग किया गया है। जिसका एमपीआर (माइक्रोपार्टिकल परफॉर्मेंस रेटिंग) 2200 है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह स्मॉग टावर हवा साफ करने में कितना कारगर है। इसकी लगातार निगरानी की जाएगी। निगरानी के जरिए एकत्र डेटा का आईआईटी दिल्ली और आईआईटी बॉम्बे के वैज्ञानिक विश्लेषण करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर इस प्रयोग के बेहतर परिणाम मिले तो इस तरह के स्मॉग टावर पूरी दिल्ली में लगाए जाएंगे। बताते चले कि दिल्ली सरकार ने एनबीसीसी की सलाह पर आआईटी दिल्ली और आईआईटी बॉम्बे की देखरेख में यह स्मॉग टावर बनाया है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि बीते कुछ सालों में हमने प्रदूषण को लेकर लगातार काम किया है। उसी का असर है कि 2014 के मुकाबले दिल्ली के प्रदूषण स्तर में कमी आई है। उन्होंने कहा कि 2014 में पीएम 2.5 का स्तर 150 से घटकर करीब 100 पर आ गया है। इसी तरह पीएम-10 का स्तर 300 से घटकर 150 के करीब आ गया है। दिल्लीवालों के साथ मिलकर हमने कई कदम उठाएं, जिसका फायदा प्रदूषण कम करने में मिला है। आज स्मॉग टावर को लेकर जो कदम हमने उठाया है, यह आने वाले दिनों में मील का पत्थर साबित होगा। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने इस मौके पर कहा कि बारिश खत्म होते ही स्मॉग टावर को पूरी क्षमता के साथ चलाया जाएगा। उसके बाद आईआईटी बॉम्बे और आईआईटी दिल्ली के विशेषज्ञ इसका विश्लेषण करेंगे और उनकी रिपोर्ट के आधार पर आगे फैसले होंगे। इसकी सफलता के आकलन के बाद हमें एक तकनीकी सपोर्ट मिलेगा, जिसके आधार पर दिल्ली के अन्य जगहों पर भी हम इस तरह के टॉवर लगा सकेंगे।

स्मॉग टावर की खास बातें

- 24.2 मीटर लंबा है
- 784.5 वर्ग मीटर में फैला है
- 40 पंखे इसमें लगाएं गए हैं
- 5000 फिल्टर इसमें लगाए गए हैं
- 16.1 मीटर प्रति सेकंड पंखे की आउटलेट वेलोसिटी है
- 25 घन मीटर प्रति सेकेंड वायु प्रवाह दर है

डीटीसी चालक भर्ती में महिलाओं को लंबाई में छूट मिलने की संभावना

नई दिल्ली. महिलाओं के सशक्तिकरण और उत्थान के लिए डीटीसी बसों में महिला चालकों की संख्या बढ़ाने को लेकर कवायद तेज हो गई है। भर्ती संबंधी मानदंडों में महिला चालकों को कुछ छूट दी जा सकती है। इसमें महिला की लंबाई से लेकर भारी वाहन ड्राइविंग लाइसेंस का मुद्दा शामिल है। हाल ही में परिवहन विभाग की इस संबंध में बैठक भी हुई थी। जिसमें आजाद फाउंडेशन की ओर से महिला चालकों की भर्ती में लंबाई के मानदंड के विषय को उठाया गया था। महिला चालकों के लिए करीब 160 सेंटीमीटर की लंबाई की अनिवार्यता है। जिस कारण डीटीसी में महिला चालक भर्ती नहीं हो पा रही है। वर्ष 2015 के बाद से एक भी महिला चालक भर्ती नहीं हो सकी है।

शरजील ने कोर्ट में दी सफाई, मैंने हिंसा भड़काने के लिए नहीं कहा

दिल्ली हिंसा

नई दिल्ली. संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान भड़काऊ भाषण देने पर गिरफ्तार किए गए जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के छात्र शरजील इमाम की जमानत याचिका पर सोमवार को सुनवाई हुई। इस दौरान शरजील इमाम की तरफ से कहा गया कि उसने अपने भाषण में हिंसा करने के लिए नहीं कहा था। ऐसे में उस पर राजद्रोह का आरोप नहीं लगाया जा सकता। शरजील ने 2019 में दो विश्वविद्यालयों में दिए भाषणों में असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र को देश से काटने की कथित तौर पर धमकी दी थी। इसके बाद उसे राजद्रोह और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत गिरफ्तार किया गया था।

शरजील की तरफ से पेश अधिवक्ता तनवीर अहमद मीर ने कड़कड़डूमा स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमिताभ रावत की अदालत को बताया कि उनके मुवक्किल के भाषण के किसी भी हिस्से में किसी भी तरह की हिंसा करने की बात नहीं कही गई। बचाव पक्ष के अधिवक्ता मीर ने कहा कि शरजील इमाम ने कहा कि कानून का यह हिस्सा (सीएए/एनआरसी) असंवैधानिक है। साथ ही उन्होंने मांग की कि सरकार इस पर पुनः विचार करे और कहा कि यदि आप ऐसा नहीं करेंगे तो हम सड़कों पर उतर आएंगे। अधिवक्ता ने कहा कि ऐसा कहना किस तरह राजद्रोह के दायरे में आता है? बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने कहा कि विरोध का अधिकार, नाकाबंदी का अधिकार और देश को ठप करने का अधिकार राजद्रोह के समान नहीं है। मीर ने कहा कि भाषण में हिंसा करने को नहीं कहा गया। शरजील ने केवल सड़कें अवरुद्ध करने को कहा। उन्होंने यह नहीं कहा कि पूर्वोत्तर को अलग राज्य बनाया जाना चाहिए और स्वतंत्र घोषित करना चाहिए। राजद्रोह यह होता। अधिवक्ता मीर ने कहा कि शरजील किसी प्रतिबंधित संगठन के सदस्य नहीं हैं, न ही किसी आतंकवादी गिरोह से जुड़े हुए हैं, वह तो एक छात्र हैं। पेश मामले में शरजील ने कथित भड़काऊ भाषण 13 दिसंबर 2019 को दिल्ली के जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय और 16 दिसंबर 2019 को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में दिया था। वह 28 जनवरी 2020 से न्यायिक हिरासत में है।

डीयू ने पीजी छात्रों को दिया फॉर्म में संशोधन का मौका

नई दिल्ली। डीयू ने परास्नातक स्तर पर आवेदन करने वाले छात्रों की आवेदन फॉर्म में संशोधन का मौका दिया है। छात्र 27 अगस्त तक संशोधन कर सकते हैं। डीयू ने अपनी वेबसाइट पर यह स्पष्ट किया है कि छात्र आवेदन फॉर्म में सिर्फ नाम, अंक आदि में सुधार कर सकते हैं। श्रेणी, लिंग, मोबाइल नंबर, ई-मेल आईडी, पीडब्ल्यूडी स्टेटस, स्पोर्ट्स विकल्प में किसी तरह का संशोधन नहीं होगा। डीयू में परास्नातक की आवेदन प्रक्रिया 21 अगस्त को समाप्त हो चुकी है।

दिल्ली से कोरोना की हुई छुट्टी, एक दिन में सिर्फ 17 केस, कोई मौत नहीं

नई दिल्ली. राजधानी दिल्ली में कोरोना का आतंक अब खत्म हो गया है। बीते 24 घंटों के दौरान राजधानी में 17 नए मामले सामने आये लगातार दूसरे दिन भी कोई कोरोना मरीज की मौत नहीं हुई। इस दौरान 41 लोग कोरोना से ठीक हुए दिल्ली में अब संक्रमण की दर 0.04 प्रतिशत रही। स्वास्थ्य विभाग द्वारा शेयर किए गए आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। कोविड-19 की दूसरी लहर की शुरुआत के बाद से यह 14वीं बार है जब दिल्ली में एक दिन में मौत का कोई मामला सामने नहीं आया। रविवार को दिल्ली में संक्रमण के 24 मामले दर्ज किए गए थे, जो पिछले साल 15 अप्रैल के बाद सबसे कम थे, जब 17 लोगों में संक्रमण का पता चला था। बुलेटिन में कहा गया है कि नए मामले सामने आने के बाद शहर में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 14,37,334 हो गई है। इनमें से 14.11 लाख से अधिक लोग स्वस्थ हो चुके हैं। महामारी से अब तक मृतकों की संख्या 25,079 है।

देह व्यापार में फंसी तीन बच्चियों को बचाया

कार्रवाई

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग ने नरेला इलाके की तीन नाबालिग बच्चियों को देह व्यापार कराने वाली एक महिला मुक्त करवाया है। तीन बच्चियों में से एक ने 181 पर कॉल कर मदद मांगी थी, जिसके बाद आयोग की टीम ने पुलिस के साथ मिलकर कार्रवाई की। आयोग ने मामले में बच्चियों के अपहरण, खरीद-फरोख्त, सामूहिक दुष्कर्म, आपराधिक धमकी समेत अन्य धाराओं के अलावा पोक्सो में मुकदमा दर्ज कराया है। फिलहाल, पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। आयोग के अनुसार, मुक्त कराई गई नाबालिगों में एक 15 तो दो 14 वर्ष की हैं। इनमें से 15 साल की पीड़िता ने महिला हेल्प लाइन नंबर 181 पर कॉल कर मदद मांगी थी। आयोग की टीम ने उसे किसी तरह स्थानीय पुलिस चौकी के पास पहुंचने को कहा। आयोग की टीम जब मौके पर पहुंची तो देखा कि वहां कॉल करने वाली लड़की के साथ दो और बच्चियां मौजूद थीं। आयोग की टीम ने तीनों बच्चियों को बाल कल्याण समिति के सामने प्रस्तुत किया, जिसके बाद समिति ने उन्हें एक आश्रयगृह में रखने के निर्देश दिए हैं। हेल्पलाइन पर कॉल करने वाली लड़की ने बताया कि हलीमा नाम की महिला उसे घुमाने के बहाने जंगल में ले गई थी और वहां जबरन कुछ लड़कों के साथ संबंध बनाने को कहा। मना करने पर उसे जान से मारने की धमकी दी गई। उसे कई बार इस तरह जंगल ले जाकर जबरन जिस्मफरोशी कराई गई। पीड़िता ने बताया कि हलीमा इसी तरह गरीब बच्चियों को निशाना बनाती है और उनसे देह व्यापार करवाती है। उसके साथ बचाई गईं दो अन्य बच्चियों को भी हलीमा ने ही फंसाया था। वे सभी किसी तरह उसके चंगुल से बच निकलीं। तीनों लड़कियों का परिवार आर्थिक रूप से बेहद कमजोर है और हलीमा ने इन्हें काम दिलाने का झांसा दिया था। पता चला कि आरोपी महिला गांजे की तस्करी से भी जुड़ी है। दिल्ली महिला आयोग की टीम ने एसीपी के साथ मिलकर बच्चियों द्वारा बताई गई जगह पर छापेमारी की, लेकिन आरोपी हलीमा वहां से फरार हो चुकी थी। पुलिस टीम आयोग की शिकायत पर केस दर्ज कर आरोपी महिला व इस धंधे में लिप्त अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने कहा कि उनकी टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए बच्चियों को बचाया है। बच्चियों को नौकरी, रुपये का लालच देकर जिस्मफरोशी कराए जाने का अपराध बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। स्वाति मालिवाल ने ने बताया कि पुलिस को नोटिस जारी करते हुए आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार करने को कहा गया है।

दिल्ली में सप्लाई के लिए आया साढ़े पांच करोड़ का गांजा जब्त

नई दिल्ली . दिल्ली की अवैध कॉलोनियों में गांजे की तस्करी के लिए ओडिशा से लाए गए 93.582 किलोग्राम गांजे के साथ दक्षिणी दिल्ली जिला पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों संजय कुमार, राम प्रसाद और मोहम्मद इजराइल के पास जब्त गांजे की कीमत साढ़े पांच करोड़ रुपए है। आरोपी अवैध कॉलोनियों में गांजा तस्करी करने के वाले पिंटा गिरोह को गांजे की खेप देने के लिए आया था। पुलिस अब पिंटा गिरोह के सरगना कुख्यात पिंटा की तलाश कर रही है। पुलिस उपायुक्त अतुल कुमार ठाकुर ने बताया कि दक्षिणी दिल्ली स्पेशल स्टाफ की टीम दिल्ली की विभिन्न अवैध कॉलोनियों में गांजे की तस्करी करने वाले गिरोह के सदस्यों की जानकारी जुटा रही थी। इसी दौरान एएसआई दयानंद को सूचना मिली कि तीन तस्कर ओडिसा से गांजा लेकर दिल्ली आने वाले हैं। यह तस्कर अवैध कॉलोनियों तक गांजा पहुंचाने वाले पिंटा गिरोह को सप्लाई करेंगे। इंस्पेक्टर अतुल त्यागी, एसआई धर्मेंद्र, कांस्टेबल अखिलेश, इरशाद चौधरी की टीम ने मालवीय नगर इलाके में ट्रेप लगाया। कई घंटे इंतजार के बाद पुलिस को एक ऑटो दिखाई दिया। जिसमें तीनों आरोपी सवार थे, पुलिस ने ऑटो को रूकने का इशारा किया। ऑटो रूकने के बाद पुलिस ने उसकी तलाशी ली, जिसमें से 45 पैकेट गांजा बरामद किया गया। वजन कराने पर ऑटो से 93.582 ग्राम गांजा बरामद, जिसकी कीमत साढ़े पांच करोड़ थी। आरोपियों में बताया कि वह गांजा ओडिशा से खरीद कर लाए हैं और इसकी आपूर्ति पिंटा गिरोह को दी जानी थी। पिंटा गिरोह दिल्ली की विभिन्न अवैध कॉलोनियों में इसकी सप्लाई करता। फिलहाल पुलिस ने तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। उनके खिलाफ मालवीय नगर थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच में जुट गई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि दिल्ली में करीब 1750 अवैध कॉलोनी है। जिसमें करीब 60 लाख से ज्यादा आबादी रहती है। पिंटा गिरोह इन अवैध कॉलोनियों में गांजा और ड्रग्स सहित अन्य नशीले पदार्थो की सप्लाई करता है। पुलिस सूत्रो ने बताया कि 20 रुपए के हिसाब से लोगों को नशीला पदार्थ दिया जाता है। जिससे अवैध कॉलोनी में रहने वाली युवाओं की बड़ी आबादी नशे की चपेट में आ गई है।

संक्षेप में

गाड़ी के बोनट में छिपा रखी थी 10 लाख की चरस, गिरफ्तार

नई दिल्ली। द्वारका जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टीम ने 10 लाख की चरस के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। ड्रग्स हिमाचल से लाई गई थी, जिसे आरोपी ने गाड़ी के बोनट में चार पॉलीथिन में छिपाई हुई थी। पुलिस उपायुक्त संतोष कुमार मीणा ने बताया कि आरोपी ड्रग तस्कर मनचंदा चड्ढा कुल्लू, हिमाचल प्रदेश का रहने वाला है। मनचंदा के पास से एक किलो 176 ग्राम मलाणा चरस मिली है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 10 लाख रुपये है। एसीपी ऑपरेशन विजय सिंह यादव, एसआई सुभाष की टीम ने एक सूचना के आधार पर आरोपी को ढांसा बॉर्डर इलाके से दबोचा।

किशोरी का अपहरण कर होटल में दुष्कर्म की कोशिश

नई दिल्ली। अमन विहार इलाके में 14 साल की किशोरी के अपहरण के बाद होटल में बंधक बनाकर दुष्कर्म की कोशिश किए जाने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने विरोध पर किशोरी की पिटाई भी की। पुलिस मामले में एफआईआर दर्ज कर आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता कक्षा नौ की छात्रा है। वह परिवार के साथ किराड़ी इलाके में रहती है। शुक्रवार को किसी बात पर पीड़िता का अपनी मां से विवाद हो गया। इससे गुस्साई पीड़िता घर से बाहर निकल गई। वह घर से कुछ ही दूरी पर गई थी कि जान-पहचान के दो युवक कार में बैठे हुए मिल गए। युवकों ने किशोरी को कार से घुमाकर वापस छोड़ देने की बात कही। आरोप है कि दोनों युवक कार से किशोरी को टीकरी बॉर्डर स्थित एक होटल में ले गए। होटल में दोनों युवकों ने किशोरी से दुष्कर्म की कोशिश की और विरोध करने पर मारपीट की। शनिवार को पीड़िता किसी तरह से उनके चंगुल से फरार हो गई और परिजनों को सूचना दी। इसके बाद परिजनों ने एफआईआर दर्ज कराई।

अवैध संबंध के शक में पिता-पुत्र को 11 बार चाकू घोपा

नई दिल्ली। भजनपुरा में रविवार रात अवैध संबंध के शक में चार युवकों ने पिता-पुत्र पर चाकू से हमला कर दिया। आरोपियों ने दोनों पर चाकू से 11 बार वार किए और फरार हो गए। घायल पिता-पुत्र को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर जांच कर रही है। घायल 26 वर्षीय युवक परिवार के साथ भजनपुरा में रहता है और टेंट का कारोबार करता है। युवक के अनुसार, रविवार रात 11 बजे वह घर पर मौजूद था। इसी दौरान मिठाई दुकानदार शोभाराम के दो पोते अपने दो दोस्तों के साथ आए और उसके पिता से कहासुनी करने लगे। आरोपियों का कहना था कि उनके दादा शोभाराम से पीड़ित की मां के अवैध संबंध हैं। इसके चलते उनके दादा उसकी मां को रुपये देते हैं। इस आरोप का युवक और उसके पिता ने विरोध किया। इस पर आरोपियों ने पिता-पुत्र पर चाकू से हमला कर दिया। युवक पर चार बार और उसके पिता पर चाकू से सात बार वार किए गए। इसके बाद आरोपी फरार हो गए। घायल पिता-पुत्र को जग प्रवेश चंद अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर युवक के पिता को आरएमएल में रेफर कर दिया गया। पुलिस पीड़ित के बयान पर केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

टोल टैक्स में राहत के लिए मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखा

नई दिल्ली। साकेत बार एसोसिएशन ने वकीलों को टोल टैक्स में राहत के लिए उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखा है। पत्र में मांग की गई है कि वकीलों को न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा मानते हुए देशभर में टोल टैक्स पर छूट दी जाए। मुख्य न्यायाधीश इस बाबत संबंधित प्राधिकरण को आदेश जारी करे। साकेत बार एसोसिएशन के सचिव धीर सिंह कसाना ने कहा कि पिछले डेढ़ साल से देशभर के वकील अदालत बंद होने के कारण आर्थिक तंगी के दौर से गुजर रहे हैं। अब मामला सामान्य होने की स्थिति में मुकदमों के सिलसिले में उन्हें देश के अलग-अलग हिस्सों में जाना होता है, जिसके लिए उनसे टोल टैक्स मांगी जाती है। आर्थिक स्थिति ठीक न होने के चलते उन्हें मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है। इस पत्र की एक प्रति सड़क और परिवहन मंत्री नीतिन गडकरी को भी भेजी गई है।

शिक्षक आज नई शिक्षा नीति का विरोध करेंगे

नई दिल्ली। डीयू में मंगलवार को विद्वत परिषद की बैठक है। इसमें नई शिक्षा नीति को 2022 में लागू करने संबंधी प्रस्ताव पर मुहर लगनी है। हालांकि, डीयू शिक्षक संघ ने इसका विरोध किया है और प्रदर्शन करने का फैसला किया है। शिक्षक संगठन का कहना है कि नई शिक्षा नीति शिक्षा के निजीकरण की दिशा में उठाए जाना वाला कदम है। विद्वत परिषद के पूर्व सदस्य पंकज गर्ग का कहना है हम ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के प्रावधानों को लागू करने की इस कोशिश का हम विरोध करते हैं। अगर नई शिक्षा नीति लागू होती है तो छात्र 40 फीसदी तक अपनी डिग्री के क्रेडिट्स ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के माध्यम से ले सकेंगे और अपनी डिग्री में स्थांतरित कर सकेंगे। साथ ही, ऑनलाइन शिक्षा से शिक्षा के स्तर में भारी गिरावट आएगी। इन प्रावधानों से कॉलेजों में भी काफी वर्कलोड घटेगा जिससे यहां पढ़ा रहे तदर्थ शिक्षक प्रभावित होंगे। उन्होंने कहा कि बैठक में विदेश से बुलाए गए शिक्षकों को कॉलेजों और विभागों में शिक्षण कार्यों में जोड़ने पर भी विचार किया जाएगा। पिछले दस वर्षों से डीयू के कॉलेजों में 4500 से ज्यादा तदर्थ शिक्षक स्थाई होने का इंतजार कर रहे हैं। इन शिक्षकों में प्रतिभा की कोई कमी नही है। इस तरह की नीतियां कॉलेजों में काम कर रहे इन शिक्षकों को हतोत्साहित करेंगी।

लो.नि.वि. उत्तरी-पश्चिमी रोड़-२ कार्यों में व्याप्त भ्रष्टाचार

उत्तरी-पश्चिमी रोड़-2 के क्षेत्रों की सड़को पर पुनः डैन्स कारपेट निर्माण में करोड़ो रूपये का घोटाला

(कार्यालय संवाददाता)

नई दिल्ली । लो.नि.वि, उत्तरी-पश्चिम रोड़-2 के अधिशासी अभियंता सुपिन्द्र सिंह, ए.ई अनिल कुमार यादव व कनिष्ठ अभियंता नवीन मलिक के द्वारा सड़को पर पुनः डैन्स कारपेट के निर्माण कार्य में ठेकेदार की मिलीभगत कर बेहद घटिया निर्माण सामग्री से लगाई गई व लगाई जा रही है।

डैन्स कारपेट की मोटाई में भारी कमी कर निर्माण कार्य किया जा रहा है।अखिल भारतीय अपराध एवं भ्रष्टाचार निरोधक मोर्चा के सचिव ने कार्यालय संवाददाता को बताया व एक शिकायत-पत्र भी दिया, जिसमें जानकारी दी कि सड़को के निर्माण कार्यो में घटिया निर्माण सामग्री लगवाकर अभियंता और ठेकेदार दिल्ली सरकार के खजाने को दोनो हाथो से लूट रहे है। लो. नि.वि, उततरी-पश्चिम रोड़-2 के अभियंताओं व ठेकेदार के द्वारा सड़को के पुनः निर्माण कार्य में बगैर झाड़ू लगाये और मिट्टी उठाऐं, बरसातो में सड़क का निर्माण

"ज्ञानी गुरमुख सिंह मुसाफिर मार्ग" के निर्माण कार्य

"भगवान परशुराम मार्ग" की सड़क के निर्माण कार्य

"ए-2 से ई-3" रोहिणी की सड़क के निर्माण कार्य

किया गया व किया जा रहा है, जिसमें रोढ़ी-मिक्स तारकोल सड़क सामग्री के टेम्परेचर के तापमान में कमी के बावजूद सड़क पर कारपेट की गई और रोड़ रोलर भी कम चलाया गया, जिस कारण सड़क जगह-जगह से धधंस गई और उखडने लगी है। यहीं नही कई सड़को पर तो बरसात होते ही डिट्रजेन्ट की तरह धूल गई है, तारकोल और रोढ़ी कई किलो मीटर तक नजर आने लगी है, जिससे आने जाने वाले वाहनो में दुर्घटना होने का संकट बना हुआ है। कार्यालय संवाददाता को मोर्चा सचिव ने यह भी बताया कि हमारी संस्था ने सैकड़ो की संख्या में शिकायते की गई है, परन्तु अभियंता, ठेकेदार और जांच एजेंसीयों की तिगड़ी ऐसा लगता है कि सारे भ्रष्टाचार के आकंड़ में डूबे हुऐ है और हर शिकायतो पर मन-गणंत रिर्पोट बनाकर उच्चधिकारियों को गुमराह करने का कार्य कर रहे है और आनन-फानन में खानापूर्ति के लिए सड़क पर टायर पेंचर की तरह पेच लगाकर रिपेयर कर देते है।मोर्चा सचिव ने किए गए सड़क निर्माणों की जांच सीबीआई भारत सरकार से कराने कि मांग की।

सम्पादकीय...

जातिगत जनगणना

आज राजनीति की जो दिशा है, उसमें जातिगत जनगणना के पक्ष में माहौल बनना स्वाभाविक ही लगता है। इस मांग के गहरे सियासी मायने हैं, शायद इसीलिए आजाद भारत की सरकारें इस मोर्चे पर उदासीन रही हैं। हमें गौर करना चाहिए कि जातिगत जनगणना की मांग उस प्रदेश से दिल्ली पहुंची है, जो विकास के ज्यादातर पैमानों पर देश में सबसे पीछे है। बिहार के राजनीतिक दल जातिगत जनगणना के लिए एकमत नजर आ रहे हैं। सोमवार को बिहार में सक्रिय 10 राजनीतिक दलों के नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। इन नेताओं की मांग है कि केवल बिहार ही नहीं, बल्कि पूरे देश में जातिगत जनगणना होनी चाहिए। बिहार की मांग का वजन इस बात से भी बढ़ जाता है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ ही नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) से पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी, भाजपा की ओर से बिहार में मंत्री जनक राम भी शामिल थे। मतलब, भाजपा, कांग्रेस, जद-यू, वामपंथी, दलित, पिछड़े नेता जातिगत जनगणना के पक्ष में हैं। केवल बिहार ही नहीं, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में भी जातिगत जनगणना की मांग होती रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समझाने की कोशिश की है कि पूरे देश में लोगों को इससे फायदा होगा। क्या सभी राजनीतिक दलों ने नफा-नुकसान का अनुमान लगा लिया है? गौरतलब है, इसी महीने जनता दल-यू का प्रतिनिधिमंडल गृह मंत्री अमित शाह से भी यह मांग कर चुका है। अब यदि प्रधानमंत्री के सामने भी मांग की गई है, तो संभव है आने वाले दिनों में सकारात्मक जवाब आए। सबसे बड़ी बात, प्रधानमंत्री ने जातीय जनगणना को नकारा नहीं है। जिस हिसाब से अन्य राज्यों में भी जातिगत जनगणना की मांग बढ़ रही है, उससे यही लगता है कि केंद्र सरकार पर दबाव बढ़ता चला जाएगा। विपक्षी दल चुनावी मैदान में इसे मुद्दा बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। वैसे जातिगत जनगणना के फायदे भी हैं और नुकसान भी। क्या इसके फायदे उठाने की समझदारी हमारे राजनीतिक दलों में पर्याप्त है? क्या इससे होने वाले नुकसान को संभालने के लिए भी पार्टियां तैयार हैं? क्या जातिगत आंकड़े दुरुस्त न होने के कारण जन-कल्याणकारी योजनाओं या आरक्षण देने में कोई परेशानी आ रही है? हमारे यहां चुनाव के समय ही जातिगत आंकड़ों की सबसे ज्यादा जरूरत पड़ती है। सबसे बड़ा खतरा यही है कि आंकड़े स्पष्ट होंगे, तो उनका इस्तेमाल भी बढ़ेगा। पिछली जाति आधारित जनगणना 1931 में हुई थी और उन्हीं आंकड़ों के आधार पर कटु सियासत होती है। खतरे को अंग्रेज भी समझ गए थे, इसलिए साल 1941 में जातिगत जनगणना तो की गई, लेकिन आंकड़े सार्वजनिक नहीं हुए। 2011 में भी सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना की गई थी, लेकिन सरकार ने आंकड़े जारी नहीं किए। कायदे से अगर साल 2011 के आंकड़े भी जारी हो जाएं, तो राजनीतिक दलों का मकसद शायद पूरा हो जाना चाहिए। हां, जाति व्यवस्था के अध्ययन और सामाजिक-आर्थिक विकास के योजनाकारों के लिए ये आंकड़े उपयोगी होंगे। सरकारों को ध्यान रखना होगा कि गणना के समय या गणना के बाद किसी तरह की कटुता न रहे और उपलब्ध आंकड़ों का पूरा उपयोग हम अपने समावेशी विकास के लिए कर सकें।

काबुली इस्लामी अमीरात के बहाने

मसलन, विश्व की एक महाशक्ति अमेरिका तालिबान से हारकर भाग गई, तालिबान के पूर्वज जेहादियों ने पहले दूसरी महाशक्ति सोवियत रूस को भी मार भगाया था या नए तालिबान ज्यादा समझदार हैं और पुरानी गलतियां दोहराने नहीं जा रहे। ऐसी बहुत सारी स्थापनाएं हैं, जो आंशिक रूप से ही सत्य हैं। पहले अफगानिस्तान से दो महाशक्तियों के हारकर भाग जाने को ही ले लें। पहली लड़ाई में, सोवियत रूस के खिलाफ जो मुजाहिदीन लड़े, वे सिर्फ अफगान नहीं थे। सोवियत रूस को नीचा दिखाने के लिए अमेरिका ने पूरी मुस्लिम दुनिया से जेहादी इकट्ठे किए थे, अमेरिकी विश्वविद्यालयों में इस्लाम का कट्टरपंथी भाष्य तैयार हुआ था, जिसे बाहरी फंडिंग की मदद से पाकिस्तानी मदरसों में पढ़ाकर खुदकुश हमलावरों की एक पीढ़ी तैयार की गई थी और जिसे पश्चिमी हथियारों की मदद से सोवियत समर्थक शासकों को उखाड़ फेंकने में इस्तेमाल किया गया। इस बार जब मुजाहिदीन तालिबान के नाम से अमेरिका के खिलाफ लड़ रहे थे, तब समूची दुनिया को यह पता था कि उन्हें पाकिस्तानी सेना की पूरी मदद हासिल है। दुनिया भर से जकात के नाम पर उन्हें आर्थिक मदद मिली।

विभूति नारायण राय, पूर्व आईपीएस अधिकारी

काबुल में तालिबानी कब्जे के बाद जिस तरह का विमर्श चल रहा है, वह कई तरह के सरलीकरण का शिकार है। बिना गहराई से जांचे-परखे कुछ चीजें मान ली गई हैं। मसलन, विश्व की एक महाशक्ति अमेरिका तालिबान से हारकर भाग गई, तालिबान के पूर्वज जेहादियों ने पहले दूसरी महाशक्ति सोवियत रूस को भी मार भगाया था या नए तालिबान ज्यादा समझदार हैं और पुरानी गलतियां दोहराने नहीं जा रहे। ऐसी बहुत सारी स्थापनाएं हैं, जो आंशिक रूप से ही सत्य हैं। पहले अफगानिस्तान से दो महाशक्तियों के हारकर भाग जाने को ही ले लें। पहली लड़ाई में, सोवियत रूस के खिलाफ जो मुजाहिदीन लड़े, वे सिर्फ अफगान नहीं थे। सोवियत रूस को नीचा दिखाने के लिए अमेरिका ने पूरी मुस्लिम दुनिया से जेहादी इकट्ठे किए थे, अमेरिकी विश्वविद्यालयों में इस्लाम का कट्टरपंथी भाष्य तैयार हुआ था, जिसे बाहरी फंडिंग की मदद से पाकिस्तानी मदरसों में पढ़ाकर खुदकुश हमलावरों की एक पीढ़ी तैयार की गई थी और जिसे पश्चिमी हथियारों की मदद से सोवियत समर्थक शासकों को उखाड़ फेंकने में इस्तेमाल किया गया। इस बार जब मुजाहिदीन तालिबान के नाम से अमेरिका के खिलाफ लड़ रहे थे, तब समूची दुनिया को यह पता था कि उन्हें पाकिस्तानी सेना की पूरी मदद हासिल है। दुनिया भर से जकात के नाम पर उन्हें आर्थिक मदद मिली। अमेरिका की हार का मिथक भी गहरी पड़ताल की मांग करता है, खास तौर से उसकी तुलना वियतनाम से अमेरिकी पलायन से तो कतई नहीं की जा सकती। सन 2001 के 9/11 के बाद अमेरिका ने जो युद्ध छेड़ा, उसके दो ही शुरुआती मकसद थे- ओसामा बिन लादेन समेत उस पर हमले के दोषियों को सजा देना और अल-कायदा की क्षमता को नष्ट करना। 2012 में ओसामा को मारकर अमेरिका ने दोनों लक्ष्य हासिल कर लिए थे, पर वह उस मरीचिका में उलझ गया था, जिसमें पश्चिम अक्सर फंसकर रह जाता है। उसने अफगानिस्तान में यूरोप या अमेरिका के तर्ज का उदार और धर्मनिरपेक्ष गणतंत्र बनाने की कोशिश की, जिसके लिए अफगान समाज सांस्कृतिक, धार्मिक या सामाजिक रूप से तैयार न था। नतीजा वही निकला, जिसकी उम्मीद थी। साल 2012 में अमेरिका शायद इसलिए नहीं जा सका कि उस पर सोवियत पतन के बाद अफगानिस्तान को मंझधार में छोड़कर चले

जाने का आरोप फिर न लगाया जाए, लेकिन इस बार भी खिसियाहट ही उसके हाथ लगी है। इसका एक ही मनोवैज्ञानिक लाभ हुआ कि लोगों को तालिबानी शासन (1996-2001) और अमेरिकी प्रभुत्व वाले समाज में औरतों या अल्पसंख्यकों की स्थिति की तुलना करने का मौका मिला है। यह सोचना भी सरलीकरण है कि इस बार के तालिबान बदले हुए हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा कि नया नेतृत्व ज्यादा समझदार है, लगभग वैसे ही जैसे, उनके लिए पहले कुछ 'अच्छे' तालिबान हुआ करते थे। वे अगर समझदार हुए हैं, तो सिर्फ अपनी बाह्य संरचना में। अब उनके प्रवक्ता अंग्रेजी में कूटनीतिक रूप से द्विअर्थी बयान देने लगे हैं या उन्हें समझ आ गया है कि यदि साल 2001 में उन्होंने अमेरिकी मांग मानकर ओसामा बिन लादेन को उसके हवाले कर दिया होता, तो पिछले 20 साल उन्हें पहाड़ियों पर लड़ते हुए न बिताने पड़ते और आज भी उनकी हुकूमत होती। पर इससे अधिक कुछ नहीं। आज भी वे पाकिस्तान के देवबंदी मदरसों से पढ़कर निकले, बर्बर मानसिकता के लोग हैं, जिनकी औरतों, अल्पसंख्यकों या मानवाधिकारों को लेकर सोच पहले जैसी ही पिछड़ी है और सिर्फ दुनिया के सामने उसे पेश करने का तरीका बदला है। यह सोच मूर्खतापूर्ण होगी कि बगल में घट रहे इतने महत्वपूर्ण घटनाक्रम का भारत पर असर सिर्फ कुछ हजार शरणार्थियों के यहां आगमन या सहायता के नाम पर खर्च किए गए तीन अरब डॉलर पानी में चले जाने भर होगा। हम लाख इनकार करें, इसका पूरा असर हमारे देश में रह रहे दो बड़े धर्मावलंबियें- हिंदुओं और मुसलमानों के आपसी रिश्तों पर भी पड़ेगा। यह एक कटु सच्चाई है कि पिछले कुछ दशक देश में कट्टर हिंदुत्व के उभार के रहे हैं। इस उभार से जो मानसिकता बनी है, वह एक स्टीरियोटाइप बनाती है, जिसके अनुसार, सारे मुसलमान पिछड़े और धर्मांध हैं। काबुल पर तालिबानी कब्जे के बाद मीडिया ने ऐसे ही मुसलमानों को प्रमुखता से दिखाया है, जो तालिबानी फतह पर मस्त हैं। एक पाकिस्तानी कार्यक्रम में जब पूर्व नौकरशाह और अतिरेकी इस्लाम परस्त ओरिया मकबूल जान काबुल में शरिया नाफिज करने वाली हुकूमत के प्रजा वत्सल होने के कसीदे पढ़ रहे थे, तब नीचे आ रहे कमेंट्स में एक मुसलमान श्रोता की टिप्पणी बड़ी गौरतलब थी। उसने पूछा, यदि इतना ही बेहतरीन शासन आ गया है, तो हजारों-लाखों लोग सब कुछ छोड़-छाड़कर क्यों वहां से भागने की कोशिश कर रहे हैं या दुनिया के किसी भी हवाई अड्डे पर ऐसे दृश्य क्यों नहीं दिख रहे, जिसमें मुस्लिम औरत-मर्द जिद कर रहे हों कि उन्हें किसी भी कीमत पर नए इस्लामी निजाम अफगानिस्तान में ले जाया जाए? दरअसल, ओरिया मकबूल जान का संकट भारतीय उपमहाद्वीप के ज्यादातर मुसलमानों के मन का द्वैत है, जो लगातार पश्चिम को कोसता भी रहता है, लेकिन अपने बच्चों को शिक्षा या रोजगार के लिए बाहर भेजने के समय उसे अमेरिका या यूरोप की ही याद आती है।

इस पूरी बहस में मुंबई के मुस्लिम संगठन 'इंडियन मुस्लिम फॉर सेक्युलर डेमोक्रेसी' द्वारा जारी यह बयान नक्कारखाने में तूती की तरह गायब हो गया है कि अब धर्माधारित राज्य का समय खत्म हो गया है और अफगानिस्तान में इस्लामी अमीरात बनाने की कोशिश ही मनुष्य विरोधी है। अगर इस तरह की समझदार आवाज को जगह मिली, तो यह समझ भी बलवती होगी कि भारत में भी हिंदू राज के लिए कोई जगह नहीं है। हमें सावधान रहना होगा कि मुस्लिम कट्टरता पर हमले के बहाने कहीं हम हिंदू सांप्रदायिकता को तो बढ़ावा नहीं दे रहे? अगर ऐसा हुआ, तो काबुल की चिंता करते-करते हम खुद को नष्ट कर देंगे। इंडियन मुस्लिम फॉर सेक्युलर डेमोक्रेसी के बयान का यह अंश भी हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है कि भारतीय मुस्लिम उलेमा का यह शर्मनाक अवसरवाद है कि भारत में जहां मुस्लिम अल्पसंख्यक हैं, वहां वे धर्मनिरपेक्ष निजाम चाहते हैं, लेकिन अफगानिस्तान में शरिया नाफिज करने का समर्थन कर रहे हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि दोनों तरह की सांप्रदायिकताएं एक-दूसरे के लिए खाद-पानी का काम करती हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अन्य पिछड़ा वर्ग का कल्याण

राज्यों द्वारा सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों की पहचान सुनिश्चित करने और सूचीबद्ध करने से उनको सरकारी योजनाओं का लाभ एवं सरकारी नौकरियों में आरक्षण का लाभ समुचित रूप से मिल सकेगा.संसद का मॉनसून सत्र विपक्ष के तर्कहीन अवरोध के बावजूद उपलब्धि भरा रहा. मोदी सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति एवं जनता के प्रति उत्तरदायित्व के निर्वहन में सफलता प्राप्त करते हुए कई महत्वपूर्ण विधेयक इस सत्र में पास हुए. सबसे महत्वपूर्ण अन्य पिछड़ा वर्ग के हित संरक्षण को लेकर पास हुआ संविधान संशोधन विधेयक रहा. संविधान निर्माता जब संविधान बना रहे थे तब यह विषय चर्चा में आया कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग की तो सूची है, लेकिन अन्य पिछड़ा वर्ग की सूची नहीं है. उस समय सरकार के मुखिया नेहरू ने कहा कि संविधान लागू होने के बाद एक वर्ष के अंदर अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन किया जायेगा और संबंधित विषयों को उस आयोग की सिफारिश के अनुसार हल किया जायेगा. डॉ भीमराव आंबेडकर को नेहरू मंत्रिमंडल में कानून मंत्री बनाया गया, लेकिन सरकार की नीतियों से असंतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने 27 सितंबर, 1951 को मंत्रिमंडल से अपना त्यागपत्र दे दिया. नियमानुसार उन्हें सदन में स्पष्टीकरण देने का अधिकार था, किंतु उन्हें ऐसा करने से रोका गया. उन्होंने 10 अक्तूबर, 1951 को अपने स्पष्टीकरण का पत्र प्रेस के माध्यम से रिलीज किया. बाबासाहेब द्वारा त्यागपत्र देने के चार प्रमुख कारण बताये गये थे, जिनमें एक प्रमुख कारण यह था कि अन्य पिछड़ा वर्ग के उत्थान के लिए जो आयोग गठन का वादा सरकार ने किया था, उस आयोग का गठन नहीं किया गया. एक वर्ष पांच महीने बीतने के बाद भी आयोग का गठन नहीं करना उनकी पीड़ा थी. तब से अन्य पिछड़ा वर्ग का मामला चल रहा था. उसके बाद 1953 में काका कालेलकर आयोग का गठन हुआ. तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा इस आयोग की सिफारिशों को लागू नहीं किया गया. उसके बाद 1979 में जनता पार्टी की सरकार द्वारा, जिसमें जनसंघ भी शामिल था, बीपी मंडल की अध्यक्षता में मंडल आयोग का गठन किया गया. आयोग ने अपनी रिपोर्ट 1980 में सरकार को सौंपी, किंतु इस आयोग की सिफारिशों को भी तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा लागू नहीं किया गया. मंडल आयोग की सिफारिश 1990 में तब लागू हुई जब केंद्र में वीपी सिंह सरकार थी और भाजपा बाहर से समर्थन दे रही थी. इस प्रकार अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गयी. उसके बाद 1993 में अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन हुआ, किंतु संवैधानिक दर्जा नहीं दिया गया. वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने तब जाकर इस विषय में गंभीरता आयी. साल 2018 में अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया गया. यहां उल्लेखनीय है कि 2018 में जब लोकसभा द्वारा पारित अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देने का विधेयक राज्यसभा में लाया गया तो चर्चा के दौरान कांग्रेस के सदस्य दिग्विजय सिंह द्वारा संशोधन प्रस्तुत किया गया और कहा गया कि आयोग के सदस्यों में मुस्लिम वर्ग को सम्मिलित किया जाये. इस प्रकार दिग्विजय सिंह द्वारा आयोग को सांप्रदायिक स्वरूप देने का प्रयास किया गया. इसके बाद इसे पास होने में छह महीने और लग गये.

शेयर बाजार में तेज पूंजी प्रवाह

उम्मीद करें कि शेयर बाजार की मौजूदा तेज बढ़त के मद्देनजर तथा आइपीओ की बढ़ती बाढ़ के बीच सेबी की भूमिका और प्रभावी होगी. यकीनन शेयर बाजार में छलांग लगा कर बढ़ती हुई तेजी से आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आइपीओ) की होड़ लग गयी है. रिजर्व बैंक की 17 अगस्त को प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक घरेलू यूनिकॉर्न उद्यमों के आइपीओ के साथ पूंजी बाजार में उतरने से 2021 आइपीओ वर्ष बन सकता है. बाजार के बेहतर परिदृश्य के मद्देनजर एफएमसीजी, ऊर्जा, रसायन, बीमा तथा बैंकिंग क्षेत्र की विभिन्न कंपनियां भी आइपीओ के लिए तेजी से आगे बढ़ी हैं. इस वर्ष अब तक 50 से अधिक कंपनियां भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास आइपीओ आवेदन जमा करा चुकी हैं. यह संख्या पिछले दो वर्षों के कुल आवेदनों से भी अधिक है. पिछले वर्ष 23 मार्च को जो बॉम्बे स्टाक एक्सचेंज (बीएसई) सेंसेक्स 25981 अंकों के साथ ढलान पर था, वह 18 अगस्त को 55629 की ऊंचाई पर बंद हुआ. शेयर बाजार का यह चमकीला परिदृश्य निवेशकों, उद्योग-कारोबार और सरकार तीनों के लिए लाभप्रद है. चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों यानी अप्रैल से जुलाई के बीच निवेशकों ने 31 लाख करोड़ रुपये की कमाई की है. आइपीओ में खुदरा निवेशकों की भागीदारी 25 फीसदी बढ़ी है. पिछले वित्त वर्ष में 1.4 करोड़ से ज्यादा डीमैट खाते खुले हैं. देश में इन खातों की संख्या 6.5 करोड़ से ज्यादा हो गयी है. इस समय विकासशील देशों में भारतीय शेयर बाजार की स्थिति शानदार दिख रही है. यह बात महत्वपूर्ण है कि तेजी की वजह से दशक में पहली बार भारत की लिस्टेड कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) देश के सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) से ज्यादा हो गया है. इस लिहाज से बाजार पूंजीकरण और जीडीपी का अनुपात 100 फीसदी को पार कर गया है. अमेरिका, जापान, फ्रांस, ब्रिटेन, हांगकांग, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और स्विट्जरलैंड जैसे विकसित देशों में भी यह अनुपात 100 फीसदी से अधिक है. देश में शेयर बाजार की तेज बढ़त के कई कारण हैं. निवेशक यह देख रहे हैं कि कोरोना की चुनौतियों के बीच 2021-22 में विकास दर आठ-नौ फीसदी पहुंच सकती है. शेयर बाजार की बढ़त के परिदृश्य और कंपनियों के बेहतर परिणाम से निवेशकों का विश्वास बढ़ा है और अच्छी कमाई की उम्मीदें बढ़ी हैं. देशभर के विशेषज्ञ बाजार के अच्छे विश्लेषण प्रस्तुत करते हुए निवेश का सुझाव दे रहे हैं. भारत समेत दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने बाजार में बड़ी मात्रा में पूंजी डाली है. ऐसे में इस समय ब्याज दरें ऐतिहासिक रूप से नीचे हैं. निवेशक यह भी देख रहे है कि करीब छह फीसदी से अधिक की मुद्रास्फीति के बीच फिक्स्ड डिपाजिट से होनेवाला लाभ शेयर बाजार के लाभ से कम है. भारत में कोरोना से जंग के लिए दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान

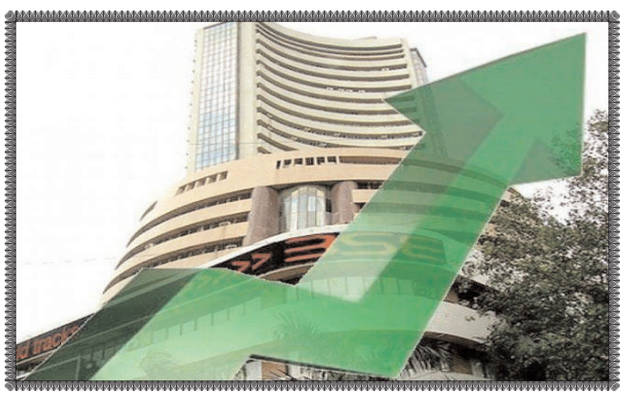

सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहा है. अमेरिका के साथ भारत के अच्छे संबंधों की संभावनाओं से भी निवेशकों की धारणा को बल मिला है. भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रति भरोसा मजबूत होने से विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार में पूंजी लगाने में अधिक दिलचस्पी ले रहे हैं. बजट में सरकार ने वृद्धि दर और राजस्व में बढ़ोतरी को लेकर जो एक बड़ा रणनीतिक कदम उठाया है, उससे शेयर बाजार को बड़ा प्रोत्साहन मिला है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में प्रत्यक्ष करों और जीएसटी में 22 प्रतिशत बढ़ोतरी का अनुमान लगाया है. विनिवेश से प्राप्त होने वाली आय का लक्ष्य 1.75 लाख करोड़ रुपये रखा गया है. वित्तमंत्री ने राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 6.8 फीसदी तक विस्तारित करने में कोई संकोच नहीं किया है. सरकार ने एफआरबीएम अधिनियम और क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों की परवाह किये बिना एक नया राजकोषीय खाका पेश किया है. जिस तरह से बजट में सरकार निजीकरण को बढ़ावा देने के साथ बीमा-बैंकिंग, विद्युत और कर सुधारों की डगर पर आगे बढ़ी है, उससे भी शेयर बाजार को गति मिली है. बजट में बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, विनिर्माण तथा सर्विस सेक्टर भारी प्रोत्साहन भी शेयर बाजार के लिए लाभप्रद हैं. बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) की सीमा बढ़ा कर 74 प्रतिशत करने से इस क्षेत्र को नयी पूंजी प्राप्त करने और कारोबार बढ़ाने में मदद मिलेगी. सरकार का आइडीबीआइ बैंक के अलावा दो अन्य सार्वजनिक बैंकों और एक साधारण बीमा कंपनी के निजीकरण का भी प्रस्ताव है. बजट में लाभांश पर भी स्पष्टता सुनिश्चित की गयी है, जिससे पारदर्शिता बढ़ी है और निवेशक बाजार में धन लगाने के लिए आकर्षित हो रहे हैं. बजट में जहां शेयर बाजार में जोखिमों को कम करने के उपयुक्त प्रावधान किये गये हैं, वहीं बाजार को और अधिक लाभप्रद बनाने के प्रावधान भी लाये गये हैं. अन्य कई विकसित और विकासशील देशों की तुलना में भारत के शेयर बाजार के बढ़ने की और संभावनाएं दिख रही हैं. चूंकि कोरोना की तीसरी लहर की आशंका के बावजूद विकास दर बढ़ती दिख रही है, अतएव शेयर बाजार में छोटे निवेशकों के कदम तेजी से बढ़ना जरूरी है. छोटे और ग्रामीण निवेशकों की दृष्टि से शेयर बाजार की प्रक्रिया को और सरल बनाया जाना जरूरी है. लोगों को यह समझाना होगा कि शेयर बाजार कोई जुआघर नहीं है, बल्कि यह तो अर्थव्यवस्था की चाल नापने का एक आर्थिक बैरोमीटर है. इस समय जब भारत में शेयर बाजार के तेजी आगे बढ़ने की संभावनाएं दिखायी दे रही हैं और निवेशकों के द्वारा उच्च प्रतिफल के लिए बड़ा जोखिम भी उठाया जा रहा है, तब शेयर बाजार की उभरती हुई चुनौतियों पर भी ध्यान देना जरूरी हैं. शेयर बाजार में जिस तरह लंबे समय से सुस्त पड़ी हुई कंपनियों के शेयरों की बिक्री कोविड-19 के बीच तेजी से बढ़ी है, उससे जोखिम भी बढ़ गया है. अतएव इसका सबसे अधिक ध्यान रिटेल निवेशकों के द्वारा रखा जाना होगा और शेयर बाजार में हर कदम फूंक-फूंक कर रखना जरूरी होगा. निवेशकों और कारोबारियों को अपने अतिउत्साह की मनोवृत्ति पर भी समुचित नियंत्रण रखना होगा. यह बात ध्यान में रखना होगा कि जब लहर उतरती है, तभी हमको मालूम पड़ता है कि कौन बिना वस्त्रों के तैर रहा था. स्पष्ट है कि रुझान बदलने पर शेयर बाजार में मंदी की स्थिति भी निर्मित हो सकती है. हम उम्मीद करें कि शेयर बाजार की मौजूदा तेज बढ़त के मद्देनजर जहां निवेशक शेयर बाजार का लाभ लेने के लिए तेजी से आगे बढ़ेंगे, वहीं सरकार भी चालू वित्त वर्ष (2021-22) में 1.75 लाख करोड़ रुपये का विनिवेश लक्ष्य प्राप्त करने के लिए तेजी से आगे बढ़ेगी. हम उम्मीद करें कि कोविड-19 से ध्वस्त उद्योग-कारोबार सेक्टरों को पुर्नजीवित करने में शेयर बाजार प्रभावी भूमिका निभायेगा. साथ ही, आइपीओ की बढ़ती बाढ़ के बीच सेबी की भूमिका और प्रभावी होगी.

नुवोको विस्टास के शेयर की पहले दिन कमजोर शुरुआत

सीमेंट विनिर्माता नुवोको विस्टास के शेयर की सोमवार को अपने पहले कारोबारी सत्र में कमजोर शुरुआत हुई। कंपनी का शेयर अपने निर्गम मूल्य पर 17 प्रतिशत के नुकसान के साथ सूचीबद्ध हुआ। नुवोको विस्टास के शेयर का निर्गम मूल्य 570 रुपये था। यह पहले दिन 471 रुपये पर कारोबार कर रहा था, जो निर्गम मूल्य पर 17.30 प्रतिशत की गिरावट है। हालांकि, सुबह के कारोबार में कंपनी का शेयर 538.65 रुपये पर पहुंचा था, जो निर्गम मूल्य से 5.50 प्रतिशत कम है। बीएसई में कंपनी का शेयर 549.65 रुपये के अपने दिन के उच्चस्तर तक गया। इसकी शुरुआत 471 रुपये पर हुई।हालांकि, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में कंपनी का शेयर निर्गम मूल्य पर करीब 15 प्रतिशत के नुकसान से 485 रुपये पर खुला। यह दिन में कारोबार के दौरान 550 रुपये तक गया। इससे पहले इसी महीने निरमा समूह की कंपनी नुवोको विस्टास के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को 1.71 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 5,000 करोड़ रुपये के आईपीओ के तहत 1,500 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए। इसके अलावा 3,500 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाई गई।

विपक्षी एकता के निहितार्थ

बीते सात वर्षों में मोदी ने भारत के राजनीतिक और सामाजिक परिवेश को बहुत हद तक बदल दिया है. यह तो समय ही बतायेगा कि क्या दिमागों की एकता लड़ाई के मैदान में दिल की एकता में भी बदलेगी.

प्रभु चावला

बीते सात वर्षों से विपक्षी दल न केवल एक नारे की तलाश में हैं, बल्कि एक ऐसे नेता की खोज भी कर रहे हैं, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती दे सके. लेकिन न तो उन्हें साझा आधार मिल रहा है, न ही एजेंडा. बीते सप्ताह कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी, वर्चुअली ही सही, उन्हें इस उद्देश्य के साथ एक साथ लायीं कि 2024 में भाजपा और मोदी को हटाने के लिए क्या किया जाना चाहिए. हालांकि विपक्षी पार्टियां संसद में सरकार को घेर रही हैं हैं, लेकिन बाहर उनमें बहुत कम समन्वय है. यह पहली बार है कि 19 पार्टियों के नेताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमीनी स्तर से आंदोलन खड़ा करने के लिए बातचीत की है. उन्होंने आंदोलन की रूप-रेखा और उसके नेतृत्व के बारे में निर्देश देने से परहेज किया है. फिर भी, यह पहल 2024 के चुनाव प्रचार की औपचारिक शुरुआत थी. इसके केंद्र में ममता बनर्जी, उद्धव ठाकरे, एमके स्टालिन, हेमंत सोरेन, शरद पवार, तेजस्वी यादव, सीताराम येचुरी और जयंत चौधरी रहे. इसमें कांग्रेस, टीएमसी, एनसीपी, डीएमके, शिव सेना, जेएमएम, सीपीआइ, सीपीएम, नेशनल कांफ्रेंस, आरजेडी, एआइयूडीएफ, वीसीके, लोकतांत्रिक जनता दल, जेडीएस, आरएलडी, आरएसपी, केरल कांग्रेस (एम), पीडीपी और आइयूएमएल की भागीदारी रही. आप, टीआरएस, एआइएडीएमके, बीएसपी और बीजेडी को नहीं आमंत्रित किया गया था तथा फिलहाल अखिलेश यादव ने भी इस बैठक से दूर रहने का निर्णय किया. सोनिया गांधी ने बातचीत को दिशा दी और कांग्रेस ने यह स्पष्ट किया कि वह नेतृत्व की भूमिका नहीं चाह रही है. बैठक में सोनिया गांधी ने कहा कि वास्तविक लक्ष्य 2024 का चुनाव है और हमें एक ऐसी सरकार बनाने के लिए कृतसंकल्प होना चाहिए, जो स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्यों तथा हमारे संविधान के सिद्धांतों व प्रावधानों में आस्था

रखती हो. श्रीमती गांधी 2004 की अपनी रणनीति को फिर से लागू करना चाहती हैं, जब उन्होंने शरद पवार जैसे अपने सबसे खराब राजनीतिक शत्रुओं से समझौता किया था. उस समय भाजपा के लिए लिए कोई स्पष्ट खतरा या करिश्माई अटल बिहारी वाजपेयी का विकल्प नहीं दिख रहा था. लेकिन 13 वर्षों के वनवास के बाद सोनिया गांधी कांग्रेस को अग्रणी भूमिका में लाने में कामयाब रही थीं. उनके गठबंधन प्रयोग ने 2009 में और भी बड़ा फायदा दिया, जब उनकी पार्टी को 200 से अधिक सीटें मिलीं. साल 2004 में भाजपा हारी क्योंकि उसके कुछ शीर्षस्थ नेताओं के अपने बूते जीत जाने के घमंड के कारण क्षेत्रीय सहयोगियों ने साथ छोड़ दिया था. विपक्षी पार्टियां आज वैसी स्थिति में फिर हैं, जब शिव सेना और अकाली दल जैसे भाजपा के पुराने सहयोगी एनडीए छोड़ चुके हैं. टीडीपी पहले ही बाहर जा चुकी है. कांग्रेस पूर्वोत्तर और बंगाल व बिहार समेत पूर्वी भारत में दावा नहीं कर रही है और वे क्षेत्र तृणमूल और अन्य क्षेत्रीय पार्टियों के लिए छोड़ रही है. सोनिया गांधी मानती हैं कि इन छोटे राज्यों में जीतनेवाली पार्टियां केंद्र में सत्तारूढ़ दल का दामन थाम लेती हैं. उन्होंने भाजपा और उसके सहयोगियों को हराने के लिए बंगाल, तमिलनाडु, बिहार, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र में क्षेत्रीय दलों की प्रमुखता को स्वीकार कर लिया है. इसके बदले इन दलों के नेताओं ने यह स्वीकार किया है कि कांग्रेस के बिना भाजपा के विरुद्ध सांकेतिक लड़ाई की शुरुआत भी नहीं की जा सकती है. उन्होंने माना है कि कांग्रेस 200 लोकसभा सीटों पर भाजपा के सीधे मुकाबले में है. अगर वह 75 सीट भी जीत लेती है, तो वैकल्पिक सरकार बनाने की संभावना बन जाती है. ममता बनर्जी ने टीआरएस और वाइएसआर कांग्रेस को भी नये मोर्चे में लाने का सुझाव दिया है. विपक्ष बंगाल में बड़े पैमाने धन-बल और मोदी जादू के बावजूद भाजपा की हार से उत्साहित है. विपक्ष पर नजर रखनेवालों के अनुसार, मोदी विरोधी बीते छह साल में उनकी गिरती लोकप्रियता को भी देख रहे हैं. बीते चार दशक से हो रहे इंडिया टूडे पत्रिका के सर्वेक्षण को हवा का रुख समझने का बेहतरीन मापक माना जाता है. मोदी की लोकप्रियता रेटिंग पहाड़ी पर चढ़ने से कहीं अधिक घाटी में उतरती रही है. इंडिया टुडे 1980 से भरोसेमंद सर्वे करा रहा है और इसके अधिकतर निष्कर्ष सही साबित हुए हैं. जनवरी, 2014 के सर्वे में 47 प्रतिशत लोगों ने प्रधानमंत्री के लिए नरेंद्र मोदी को पसंद किया था, जबकि राहुल गांधी को 15 प्रतिशत मत मिले थे. पांच महीने बाद मोदी ने भाजपा को अपने बूते बहुमत में लाकर इतिहास बना दिया. लेकिन पांच साल के कार्यकाल में इंडिया टुडे सर्वे ने उनकी लो

उत्तरी-पश्चिमी अनुरक्षण सर्कल, अधी० अभियंता जितेन्द्र कुमार बंसल के संरक्षण में

लोक निर्माण विभाग के उत्तरी-पश्चिमी रोड़-2 सैनिक विहार कार्यालय बना भ्रष्टाचार का अड्डा!

कार्यपालक, सहायक व कनिष्ठ अभियंता बने ''अडानी''

ई.ई सुप्रिन्द्र सिंह, ए.ई अनिल यादव और जे.ई नवीन मलिक की मिलीभगत से किए सड़को के विकास एवं निर्माण कार्य में करोड़ो के घोटाले...

''ज्ञानी गुरूमुख सिंह मुसाफिर मार्ग'' के निर्माण कार्य

''भगवान परशुराम मार्ग'' की सड़क के निर्माण कार्य

''ए-२ से ई-३'' रोहिणी की सड़क के निर्माण कार्य

सड़को के विकास एवं निर्माण कार्य की काली कमाई से अधी० अभियंता ई.ई सुप्रिन्द्र सिंह, ए.ई अनिल कुमार यादव व जे.ई नवीन मलिक बने 'अडानी' करोड़ो रूपये की बेनामी सम्पत्ति खरीदी अपने व अपने रिश्तेदारों के नाम महंगी-महंगी लग्जरी कारों से चलते है, स्वयं व इनके परिवार

एप्पल का मोबाईल व लेपटॉप और पी.पी.डिजाईनर के कपड़े, रोलेक्स की घड़ी, बूची के जूते, लग्जरी कारो स्वंय व परिवार के लिए प्राईवेट ड्राइवर 20-20 हजार प्रतिमाह, शाम का डिनर बड़े रेस्टुरेंट, होटल और क्लबों और लाखों की ज्वैलरी और अडानी की तरह आलीशान जिन्दगी जी रहे है।

सचिव: अखिल भारतीय अपराध एवं भ्रष्टाचार निरोधक मोर्चा

विज्ञापन-जनहित में जारी.....

उमंग और उत्साह से मनाया रक्षा बंधन का त्यौहार, भाइयों को राखी बांधकर की दीर्घायु की कामना. बसों, ट्रेनों व निजी वाहनों की रही भीड़

रणबीर रोहिल्ला, सोनीपत। भाई-बहन के स्नेह का प्रतीक रक्षाबंधन का पर्व रविवार को पूरे जिले में धूमधाम से मनाया गया। रविवार को बसों व ट्रेनों में भीड़ देखी गई। महिलाएं अपने भाईयों को राखी बांधने के लिए उत्साह से दूरदराज के क्षेत्रों से यात्रा करती दिखाई दी। राज्य परिहवन की बसों में महिलाओं व उनके 15 साल तक के बच्चों के लिए यात्रा निशुल्क होने के चलते भी आम दिनों की बजाय ज्यादा भीड़ दिखाई दी। वहीं अपने वाहनों से जाने वाले लोगों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। रोहतक रोड स्थित रोहट गांव के पास पश्चिमी यमुना लिंक नहर के पुल पर कई बार जाम की स्थिति बनी रही। क्योंकि रोहतक-बहादुरगढ़ व बवाना-नजफगढ़ जाने वाले निजी वाहन चालक खरखौदा व नहर के रास्ते से होकर आते-जाते हैं। इसलिए रोहट पुल पर जाम की स्थिति बन जाती है। रक्षाबंधन के कारण बस अड्डे व रेलवे स्टेशनों पर महिलाओं व पुरुषों की भीड़ देखी गई। बाजारों में भी मिठाई तथा उपहारों की दुकानों पर दिनभर खरीददारों का तांता लगा रहा। बहनों ने भाइयों को तिलक लगाया और कलाई पर राखी बांधकर मिठाई खिलाकर उनकी सुख समृद्धि व लंबी उम्र की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को उपहार व नकदी भेंट की। इस बार जो भाई-बहन नहीं मिल पाएं, उन्होंने अपनी बहनों को उपहार के रूप में ऑनलाइन नकदीभेजी। प्रदेश सरकार द्वारा हरियाणा रोडवेज की बसों में महिलाओं व उनके 15 वर्ष तक के बच्चों का किराया माफ किए जाने से बसों में काफी भीड़ रही। रक्षाबंधन के चलते शहर के बाजारों में दिनभर चहल पहल रही। रेशम, मोली, मोती, रुद्राक्ष, चंदन, कार्टून व स्वास्तिक जैसे न जाने कितनी सुंदर चीजों को धागे के साथ जोड़कर राखियां सजाई गई हैं। रोहतक रोड, कच्चे क्वार्टर, गोहाना रोड सहित अन्य बाजारों से लेकर गलियों और मोहल्लों में कई तरह की राखियां नजर आई। राखी विक्रेताओं का कहना है कि पिछले कुछ सालों से हल्की राखियां ज्यादा बिक रही है। पहले राखियों का बड़ा साइज तैयार किया जाता था। राखियों के साथ चंदन, रुद्राक्ष आदि के छोटे पैक भी बहनें पसंद कर रही है। पौराणिक मान्यता के अनुसार रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहनों के जीवन में खुशियों की सौगात लेकर आता है। रक्षाबंधन पर्व प्रत्येक बहन व भाई के जीवन में बहुत महत्व रखता है। रक्षाबंधन का पावन पर्व भाई-बहन के पावन रिश्ते का प्रतीक है, यह पर्व भाई बहन के रिश्ते को और अधिक मजबूत करता है। रक्षाबंधन के दिन बहन परम पिता परमात्मा से भाई के अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घ आयु की प्रार्थना करती है। पूरे देश में रक्षाबंधन का त्योहार बड़े हर्ष और उल्लास से मनाया गया। बहनों ने सज धज कर अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी। वहीं भाई बहन की रक्षा का वादा करता है और बहन को तोहफे देते हैं। राखी प्रेम और विश्वास का वह अटूट धागा है जो बहनों को भाइयों से जोड़ता है। यह त्यौहार भाई-बहन के रिश्ते को और भी मजबूत बना देता है। इस दिन बहन अपने भाई के माथे पर तिलक लगाती है और राखी बांधती है। मिठाई खिलाती है और भाई अपनी बहन की रक्षा का वचन देता है। उसके सुख-दुख में साथ रहने का वादा करता है। रक्षाबंधन पर्व को लेकर कई महिलाओं ने व्रत भी रखा। रक्षा बन्धन का पर्व बहन-भाई के स्नेह तथा पारिवारिक रिश्तों के साथ-साथ धर्म, समाज व राष्ट्र को एकजुट करने का सन्देश देता है, इसलिए हम सभी को इस पावन पर्व पर राष्ट्रीय एकता को और अधिक सुदृढ़ करने का संकल्प लेना चाहिए। यह पर्व कर्तव्य, आत्मीयता, त्याग, सामाजिक एकता व सद्भाव की भावना का प्रतीक है। यह त्यौहार हमारी धरोहर है, जो समाज के अंदर भावनात्मक तौर पर रिश्तों को मजबूती देने में अहम योगदान दे रहा है। भाई-बहन का एक-दूसरे के प्रति दायित्व ही नहीं, अपितु भावनात्मक तौर पर मजबूत बनाता है।

सोनीपत। रक्षा बंधन पर भाईयों को राखी बाधती बहनें।

समाजसेविका संगीता जांगड़ा व सुनील ठेकेदार ने मनाया दिव्यांग बच्चों के साथ रक्षाबंधन का त्यौहार

बाबा रामदास स्पेशल चिल्ड्रन एजुकेशनल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संचालित रोनक स्पेशल स्कूल में रक्षा बंधन का त्यौहार धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन शिक्षाविद कुसुमलता कौशिक द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि

बेटियां किसी भी क्षेत्र में बेटों से कम नही, बेटियां सीखे आत्मरक्षा के गुर - समाजसेविका संगीता जांगड़ा

समाजसेविका संगीता जांगड़ा व सुनील ठेकेदार ने शिरकत की। वहीं दिव्यांग बच्चों से राखी बंधवाकर भाई बहन का त्यौहार रक्षाबंधन पर्व धूमधाम से मनाया गया। उन्होंने बच्चों को मिठाई अन्य उपहार भेंट किए। समाजसेविका संगीता जांगड़ा व सुनील ठेकेदार ने कहा कि दिव्यांग बच्चों के पास आकर सेवा करने से मन को शांति मिलती है। उन्होंने कहा कि आज बेटियां किसी भी क्षेत्र में बेटों से कम नही है। हमें बेटियो को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आगे आना चाहिए। संगीता जांगड़ा ने कहा कि आज बेटियो को आत्मरक्षा के गुर सीखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि रोनक स्कूल दिव्यांग स्पेशल बच्चों को अच्छी शिक्षा देकर उनको समाज मे एक नई पहचान दिला रहा है। ठेकेदार सुनील जांगड़ा ने कहा कि हमें समय के साथ साथ बच्चों की शिक्षा स्तर में सुधार लाने की आवश्यकता है। आज बेटियां भारत देश का गौरव बढ़ाकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन कर रही है। शिक्षाविद कुसुमलता कौशिक ने कहा कि समय समय पर समाजसेविका संगीता जांगड़ा, ठेकेदार सुनील जांगड़ा दिव्यांग बच्चों की मदद के लिए तैयार रहते है। वह प्रत्येक त्यौहार पर बच्चों के साथ खुशियां मनाते रहते है। इस अवसर पर बाबा वेलफेयर सोसाइटी सचिव कुसुमलता कौशिक, जनसंपर्क मनोवैज्ञानिक वेलफेयर सोसाइटी सचिव सविता, सन्तकपूर महासभा सचिव रितिक, रुद्राक्ष जनकल्याण सेवा समिति अध्यक्ष अंजू दहिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय भारद्वाज आदि मौजूद रहे।

राजा रणबीर सिंह रोहिल्ला का शोर्य दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया

समाज के बुद्धिजीवियों ने महाराजा रणबीर सिंह रोहिल्ला के चित्र पर पुष्प अर्पित कर मनाया शौर्य दिवस

रणबीर रोहिल्ला, सोनीपत। रक्षाबंधन के दिन राजा रणबीर सिंह रोहिल्ला के बलिदान दिवस को शोर्य दिवस के रूप में बडी धूमधाम के साथ मनाया। ककरोई रोड पर जवाहर नगर स्थित संत नामदेव रोहिल्ला टांक क्षत्रिय सभा द्वारा राजा रणबीर सिंह रोहिल्ला के चित्र पर पुष्प अर्पित कर महाराजा को नमन किया। रोहिल्ला समाज के गणमान्य बुद्धिजीवियों ने राजा रणबीर सिंह के जीवन पर प्रकाश डाला । उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन पर्व को समस्त भारत का रोहिला समाज एक स्वाधीनता और स्वाभिमान के लिए दिए गए बलिदानों के कारण एक शोर्य दिवस के रूप में मनाता है।

सोनीपत। राजा रणबीर सिंह रोहिल्ला के चित्र पर पुष्प अर्पित करते रोहिल्ला समाज के गणमान्य व्यक्ति।

सन्त नामदेव रोहिल्ला टांक क्षत्रिय सभा द्वारा महाराजा रणबीर सिंह रोहिल्ला शोर्य दिवस मनाया।

सन्त नामदेव रोहिल्ला टांक क्षत्रिय सभा ने रविवार को रक्षाबंधन के दिन जवाहर नगर स्थित अपनी धर्मशाला में बैठक की। बैठक की अध्यक्षता सभा के प्रधान संत लाल रोहिल्ला ने की। बैठक का संचालन पूर्व कर्मचारी नेता बलबीर सिंह रोहिल्ला द्वारा किया गया। सर्व प्रथम रोहिल्लखण्ड के महाराजा रणबीर सिंह रोहिल्ला के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये और महाराजा रणबीर सिंह रोहिल्ला अमर रहे के नारे लगाये। इस मौके पर पत्रकार रणबीर सिंह रोहिल्ला ने भी श्रद्धा सुमन अर्पित किये। तत्पश्चात जय भगवान रोहिल्ला ने महाराजा की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सन 1253 में नसरुदीन के विरुद्ध तलवार का बीड़ा उठाकर राजा रणबीर सिंह रोहिल्ला ने रामपुर व पीलीभीत के बीच मैदान में विकट संघर्ष करते हुए नसरूदीन के सेना के पैर उखाड़ दिये और नसरूदीन को बंदी बना लिया, परंतु सन 1254 में रक्षा बंधन के दिन अपने दरबारी पंडित गोपाल पांडे के षडयंत्रों में आकर महाराजा रणबीर सिंह रोहिल्ला वीर गति को प्राप्त हो गए और उनकी महारानी तारावती उनके साथ सती हो गई। सभा के कोषाध्यक्ष धरम राज रोहिल्ला ने अपने सम्बोधन में महाराजा रणबीर सिंह के पदचिन्हों पर चलते हुए सम्मान के साथ जीने और समाज का आर्थिक व शैक्षणिक विकास की राह पर चलने के लिए सभी गनमान्य साथियों से आह्वान किया। कार्यक्रम में रोहिल्ला समाज के अनेकों सम्मानित सदस्य सतनारायण रोहिल्ला, मनोहर लाल रोहिल्ला, प्रेम रोहिल्ला, विनोद रोहिल्ला, सचिन रोहिल्ला, संजय रोहिल्ला, कृष्ण कुमार रोहिल्ला, दयानन्द रोहिल्ला, सुरेंद्र रोहिल्ला, सुरेश रोहिल्ला, नरेश सागू, महाबीर सिंह रोहिल्ला, शिव कुमार रोहिल्ला, राम निवास बजानिया और सूबेदार सतबीर सिंह आदि उपस्थित थे ।

नगर निगम की टीम ने सरकारी जमीन पर किए गए अवैध कब्जे को हटाया

रणबीर रोहिल्ला, सोनीपत। मामा भांजा चौक वीटा मिल्क कबीरपंथी आश्रम के सामने गंदे नाले के पास कब्जे वाली जमीन पर हुआ था अवैध कब्जा। पुलिस के साथ नगर निगम की टीम ने जेसीबी चलाकर अवैध कब्जा हटाया। भविष्य में नगर निगम की जमीन पर कोई कब्जा करेगा तो होगी सख्त कानूनी कार्रवाई। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता विमल किशोर ने 21 अगस्त को गंदे नाले के पास करोड़ों की जमीन पर किए गए अवैध कब्जे को प्रशासन द्वारा मुक्त करवाने की मांग जोर-शोर से उठाई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि नगर निगम की करोडों रुपए की जमीन पर राजनीतिक संरक्षण के कारण अवैध कब्जे का प्रयास हो रहा है।

डायल 112 की कॉल पर मात्र कुछ ही मिनटों में चोरी की गाड़ी के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

डायल 112 की कॉल पर पुलिस चौकी मांडोठी की टीम ने की थी नाकाबंदी

आमजन को त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के लिए शुरु किया गया आपातकालीन टोल फ्री नंबर-112 आम लोगों के लिए काफी राहत पहुंचाने वाला साबित हो रहा है। किसी भी तरह की घटना की सूचना पर तुरंत पुलिस सहायता मिलने से आम लोगों के लिए डायल 112 सहायक साबित हो रहा है। जानकारी देते हुए थाना प्रबंधक आसौदा निरीक्षक जसवीर सिंह ने बताया कि बीती रात थाना आसौदा के एरिया में डायल 112 के तहत तैनात एमरजैंसी रिस्पॉन्स व्हीकल को सूचना मिली थी कि दिल्ली से चोरी शुदा एक सैन्ट्रो कार में सवार तीन युवक गांव भापड़ौदा के एरिया में संदेहजनक हालात में इधर-उधर घूम रहे हैं। यदि तुरंत कार्रवाई करके सैंटरो गाड़ी को काबू कर लिया जाए, तो किसी भी तरह की आपराधिक घटना को होने से पहले ही रोका जा सकता है। सूचना पर डायल 112 पर तैनात स्टाफ द्वारा तुरंत थाना आसौदा के अंतर्गत पुलिस चौकी मांडोठी को भी सूचित किया गया। जिस पर तत्परता से सक्रिय होते हुए पुलिस चौकी मांडोठी में तैनात सहायक उप निरीक्षक जितेंद्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम द्वारा चौकी के एरिया में नाकाबंदी की गई। एसपी झज्जर राजेश दुग्गल द्वारा कड़े दिशा-निर्देश दिए गए थे। एसपी के दिशा दिशा

निर्देशों की पालना करते हुए डायल 112 की सूचना पर पुलिस चौकी मांडोठी की टीम द्वारा तत्परता से नाकाबंदी की गई। गांव भापड़ौदा से खरहर जाने वाले रास्ते पर फ्लाईओवर के नीचे नाका पर तैनात पुलिस टीम द्वारा सतर्कता से आने जाने वाले वाहनों पर नजर रखे जाने लगी। थोड़ी देर बाद गांव भापड़ौदा की तरफ से एक सेंट्रो गाड़ी तेज गति से आती हुई दिखाई दी। जिसे रुकने का इशारा किया गया। नाका के पास रुकते ही गाड़ी से तीन व्यक्ति उतरकर पुलिस पार्टी को देख कर भागने लगे। पकड़ने के लिए पीछा करते हुए एक पुलिस जवान को युवकों ने धक्का मार कर गिरा। कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस टीम द्वारा तीनों आरोपियों को काबू किया गया। पूछताछ में पकड़े गए तीनों आरोपियों की पहचान कपिल उर्फ सीटलु, अमित उर्फ मोनू तथा कुलदीप उर्फ घोली तीनों निवासी गांव पंजाब खोड़ दिल्ली के तौर पर की गई। पकड़े गए आरोपियों से मौका पर बरामद सेंट्रो कार नंबर डीएल-8सीएस-1813 की मलकीयत से संबंधित कागजात पेश करने को कहा गया। किंतु आरोपियों के पास से कोई कागजात नहीं मिले। प्राथमिक पूछताछ में पकड़े गए आरोपियों ने उपरोक्त सैंटरो गाड़ी रोहिणी दिल्ली से चोरी किए जाने बारे खुलासा किया। पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए विभिन्न धाराओं के तहत थाना आसौदा में आपराधिक मामला दर्ज किया गया। पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीनों को माननीय अदालत बहादुरगढ़ में पेश किया गया। जहां से तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत भेज दिया गया।

संक्षेप में

कोरोना वायरस की संभावित तीसरी लहर की रोकथाम के लिए वैक्सीन जरूरी-डा. आनंद अग्रवाल

सोनीपत, बीपीएस महिला मेडिकल कालेज खानपुर कलां के प्रोफेसर एवं डिपार्टमेंट ऑफ रेसपिरेट्री मेडिसिन के हैड तथा कोविड-19 के क्लिनिकल इंचार्ज डा. आनंद अग्रवाल ने कोरोना वायरस से बचाव के लिए वैक्सिनेशन पर विशेष रूप से बल दिया है। उन्होंने कहा कि संभावित तीसरी लहर की रोकथाम की दृष्टि से भी वैक्सिनेशन जरूरी है। इसलिए हर प्रकार की अफवाहों से दूर रहकर लोगों को वैक्सीन जरूर लगवानी चाहिए। डा. आनंद अग्रवाल ने कहा कि हमें अभी पूर्ण सावधानी बरतनी चाहिए, ताकि कोरोना पर जो नियंत्रण लगा है वह कायम रखा जा सके। विशेष रूप से अगले तीन सप्ताह तक हमें किसी भी प्रकार की लापरवाही से बचना चाहिए। कोरोना के प्लस वेरिएंट की संभावनाओं पर विराम लगाने के लिए वैक्सिनेशन जरूरी है। अभी भी देखने में आता है कि कुछ लोगों के अंदर वैक्सीन को लेकर असुरक्षा तथा अफवाहों का माहौल है। जबकि ऐसा नहीं है। वैक्सीन पूर्ण रूप से सुरक्षित है, जिसके कोई दुष्प्रभाव नहीं है। वैक्सीन लगवाने वालों में संक्रमण की शिकायत तो आ सकती है किंतु मृत्यु की संभावनाओं पर विराम लग जाता है। कोविड-19 क्लिनिकल इंचार्ज डा. अग्रवाल ने कहा कि कोरोना वायरस के संक्रमण के फैलाव को रोकने के लिए हमें व्यर्थ की भीड़ का हिस्सा नहीं बनना चाहिए। घर से बाहर निकलते समय मास्क व सोशल डिस्टेंसिंग की अनुपालना ईमानदारी से करनी चाहिए। वैक्सीन सबसे अधिक आवश्यक है। ऐसा करके किसी और से संक्रमण को रोक सकते हैं। साथ ही हमारी ओर से भी किसी ओर में संक्रमण जाने से रोक लगेगी। उन्होंने बल दिया कि जिसने अभी तक वैक्सीन नहीं लगवाई है वह वैक्सीन अवश्य लगवाये। डा. अग्रवाल ने संभावित तीसरी लहर पर चर्चा की की कहा जा रहा है कि इस बार बच्चे अधिक प्रभावित होंगे। उन्होंने कहा कि बच्चों की इम्यूनिटी बहुत बेहतर होती है। किंतु संभावित तीसरी लहर आती है तो हमें कुपोषण का शिकार बच्चों का विशेष रूप से ध्यान रखना होगा। साथ ही ऐसे बच्चों की ओर भी खास ध्यान देना होगा जो पहले से किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त हों। ऐसे बच्चों का आंकड़ा अधिक नहीं मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्पष्ट तौर पर अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। किंतु हमें सावधान रहने की आवश्यकता है। प्रोफेसर डा. अग्रवाल ने जानकारी दी कि संभावनाओं के दृष्टिगत बीपीएस मेडिकल कालेज में पर्याप्त तैयारियां की गई हैं। बच्चों के लिए अलग से वार्ड भी स्थापित किया गया है। साथ ही उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि वे आवश्यक रूप से मास्क व सोशल डिस्टेंसिंग की अनुपालना करें। एकजुट प्रयासों से कोरोना के संक्रमण पर लगाई गई लगाम लगी रह सकती है।

30 किसानों की थर्मल स्कैनिंग करते हुए 28 मास्क बांटे गए- उपायुक्त

सोनीपत, उपायुक्त ललित सिवाच ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-44 पर धरनारत किसानों की स्वास्थ्य जांच नियमित रूप से जारी है। इस दौरान सोमवार को 30 किसानों की थर्मल स्कैनिंग की गई। साथ ही 28 मास्क भी बांटे गए। उपायुक्त ने बताया कि 27 किसानों को पैरासिटामोल की टेबलेट तथा 18 को बी-कॉम्पलैक्स की टेबलेट वितरीत की गई है। 16 किसानों को ओआरएस, 09 को रैनटेक, 15 को एम्लोडीपिन, 10 को सिट्राजिन और 14 मेट्रोजिल की टेबलेट बांटी गई हैं। उपायुक्त सिवाच ने धरनारत किसानों से अपील की कि वे मास्क का प्रयोग अवश्य करें। कोरोना वायरस के संक्रमण के दृष्टिगत बचाव संबंधी उपाय अवश्य करने चाहिए। उन्होंने कहा कि धरनारत किसानों को जरूरी दवाइयों के वितरण के साथ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। किसानों को इसका लाभ उठाना चाहिए।

कोविड-19 कोरोना वायरस का कोई भी नया पोजिटिव केस नहीं मिला

सोनीपत, उपायुक्त ललित सिवाच ने कहा कि जिला में सोमवार को सांयकाल तक कोविड-19 कोरोना वायरस का कोई भी नया पोजिटिव केस नहीं पाया गया हैं। जिला में कोरोना वायरस के पोजिटिव मामलों का कुल आंकड़ा 47460 हो गया है। उपायुक्त ने यह जानकारी जिला स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर दी। उपायुक्त ने कहा कि जिला में अब तक कोरोना से मरने वाले मरीजों की संख्या 254 है। उन्होंने बताया कि अब तक जिला में 47 हजार 203 कोरोना मरीजों को ठीक होने के उपरांत डिस्चार्ज कर दिया गया है जिससे जिला में एक्टिव केसों की संख्या 03 रह गई है।

लाइनपार पार्क में रक्षाबंधन त्यौहार पर बहनों की रक्षा के लिए युवाओं ने रक्षक भाई मुहिम शुरु की

लाइनपार पुलिस व युवाओं सहयोग से नशेड़ियों व शरारती तत्वों को पार्क से भगाया गया-समाजसेवी मनीष अहलावत

शहर के लाइनपार पार्क में रक्षाबंधन त्यौहार पर युवाओं ने रक्षक भाई मुहिम शुरू की। मुहिम की अध्यक्षता वार्ड नम्बर 4 समाजसेवी मनीष अहलावत ने की। उन्होंने युवाओं के साथ मिलकर लाइनपार पार्क ने नशेड़ियों व शरारती तत्वों को खदेड़ने का काम किया। मनीष अहलावत ने बताया कि रोजाना की तरह शराबी, असामाजिक शरारती तत्व रक्षाबंधन के दिन भी पार्क में अपना जमावड़ा लगाते रहे लेकिन युवाओं व स्थानीय जागरूक लोगो की मदद से लाइनपार पुलिस को सूचना दी गई। जिस पर संज्ञान लेते हुए लाइनपार पुलिस प्रशासन मौके पर पहुँचा और पुलिस के सहयोग से नशेड़ियों व असामाजिक तत्वों को पार्क से भगाया गया। मनीष अहलावत ने कहा कि बेटियों, बहनों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए उनकी युवाओं की टीम हमेशा तैयार है। उन्होंने कहा कि जल्द ही पार्क की सुरक्षा के लिए एक टीम का गठन किया जाएगा जो महिलाओं, बेटियो व बहनों की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेगी। इस अवसर पर नितेश कुमार, प्रदीप रोहज, पवन, राजीव नागर, सतीश स्वामी, अरुण स्वामी, प्रवीण दलाल, जयदीप शर्मा, राहुल अहलावत आदि मौजूद रहें।

कन्या गुरुकुल में मनाया जा रहा है संस्कृत सप्ताह समारोह-आर्य हरिओउ्म दलाल

आर्य समाज के प्रचार मंत्री आर्य हरिओउ्म दलाल ने बताया कि हरियाणा संस्कृत अकादमी के तत्वावधान में श्री रंजीत स्मारक शांति निकेतन कन्या गुरुकुल लोवां कलां बहादुरगढ़ में संस्कृत सप्ताह 19 अगस्त से 25 अगस्त समारोह का आयोजन किया जा रहा है।समारोह का आयोजन वर्चुअल मींटिंग के द्वारा किया जा रहा है। समारोह का आरंभ वैदिक यज्ञ से किया गया। समारोह में मुख्य रुप से आर्य समाज के प्रधान ब्रह्मजीत आर्य, कर्नल राजेंद्र सहरावत, सतबीर राठी,जयपाल दहिया, राजेश राठी, बिजेंद्र खोखर, सतप्रकाश वशिष्ठ, संतलाल मलिक, गुरुकुल की मुख्या आचार्या डा.राजन मान,आचार्या विद्यावती, आचार्या मूर्ति,आचार्या प्रीति, ब्रह्मचारिणी अनु व गुरूकुल की छात्राओं के अनेक अभिभावकों ने भी भाग लिया। समारोह में गुरुकुल की छात्राओं प्रतिभा आर्या, लक्षिताआर्या, पूर्णिमा आर्या, आकृति आर्या, महिमा आर्या, मंजू सुबेदी आर्या,पारूल आर्या,लिशा आर्या आदि ने संस्कृत में अनेक आयोजन प्रस्तुत किऐ। जिनमें श्लोक, कविता, नाटक आदि विधाओं का प्रदर्शन किया गया। हरिओम दलाल ने बताया कि हरियाणा संस्कृत अकादमी की ओर से प्रति वर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्र,छात्राओं को प्रदेश भर में करोड़ों रुपए की छात्रवृत्ति प्रदान कर प्रोत्साहित किया जाता है।इस छात्रवृत्ति से कन्या गुरुकुल लोवा कलां की छात्राएं भी लाखों रू की राशि प्राप्त कर लाभान्वित होती रही हैं।

राज्य तैराकी प्रतियोगिता में अतुल धनखड़ ने हासिल किया कांस्य पदक

गुरूग्राम में चल रही 47वीं जूनियर और 55 वीं सीनियर राज्य तैराकी प्रतियोगिता में शहर के अतुल धनखड़ ने कांस्य पदक हासिल किया है। अतुल धनखड़ ने 200 मीटर बैक स्ट्रॉक में बेहतर प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किया। अतुल धनखड़ ने साल 2020 में 400 मीटर आई एम में सिल्वर और 800 मीटर फ्री स्टाईल तैराकी में कांस्य पदक हासिल किया था। साल 2019 में हुई तीसरी एआईएम स्पोर्टस क्लब प्रतियोगिता की तैराकी स्पर्धा में अतुल धनखड़ दो गोल्ड मैडल भी हासिल कर चुका है। साल 2019 में नेशनल स्वीमिंग चैम्पियनशिप में भाग ले चुका है।

हरियाणा स्वीमिंग एसोसिएशन की तरफ से हुई 210 किलोमीटर स्वीमोथान में भी अतुल धनखड़ ने भागीदारी की हुई है। भारतीय तैराकी संघ के सह सचिव और हरियाणा तैराकी संघ के महासचिव अनिल खत्री ने अतुल धनखड़ को जीत का सर्टिफिकेट दिया और मैडल पहनाकर स्वागत भी किया। अतुल धनखड़ शहर की शक्ति नगर कॉलोनी में रहता है। अनिल खत्री ने बताया कि हरियाणा में तैराकी की प्रतिभा काफी मजबूती से उभर रही है और एक दिन ओलम्पिक में देश के नाम तैराकी का पदक भी हरियाणा के खाते से ही आएगा। मैडल जीतने पर एचएल सिटी के निदेशक राकेश जून ने भी अतुल का बधाई दी है।

पुरानी पेंशन नहीं सरकार के लिए आवश्यक विषय-प्रमोद ईष्टकान

रणबीर रोहिल्ला, सोनीपत। हरियाणा में चल रहे विधानसभा सत्र में विधानसभा अध्यक्ष और सरकार के रवैये व पुरानी पेंशन नीति की बहाली पर दिए जवाब से पेंशन बहाली संघर्ष समिति व प्रदेश के दो लाख एनपीएस कर्मचारियों में भारी रोष है। पेंशन बहाली संघर्ष समिति हरियाणा के प्रदेश प्रदेश मुख्य सलाहकार प्रमोद ईष्टकान ने जारी बयान में कहा कि पूरे हरियाणा प्रदेश की ब्लॉक व जिला कार्यकारिणी द्वारा एक अगस्त से सभी 90 विधायकों को पुरानी पेंशन नीति की बहाली के लिए मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिए गए थे और सभी पक्ष व विपक्ष के विधायकों को शीतकालीन सत्र में उठाने का आग्रह किया गया था, जिसमें पक्ष व विपक्ष के लगभग सभी विधायकों ने इसे मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री के सम्मुख व विधानसभा में उठाने का वायदा किया गया था। संघर्ष समिति के मुख्य सलाहकार प्रमोद ईष्टकान ने जारी बयान में कहा कि एक जनवरी 2006 से प्रदेश में कर्मचारियों पर लागू बाजार आधरित नैशनल पेंशन सिस्टम के अधीन सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों की पेशन हरियाणा में लागू बुढापा पेंशन से भी कम बन रही है, जबकि कर्मचारियों के वेतन से हर माह 10 प्रतिशत राशि और इतनी ही राशि सरकार द्वारा एनएसडीएल में पेंशन के नाम पर जमा करवाई जा रही है। जिसका 60 प्रतिशत सेवानिवृत्ति पर कर्मचारियों को देने के बाद बची 40 प्रतिशत राशि की एन्यूटी यानी के मात्र ब्याज दिया जाता है, जो 500 से 2200 नाममात्र बन रहा है। प्रमोद ईष्टकान ने कहा कि एनपीएस से बन रही पेंशन कर्मचारियों की सेवा का मजाक मात्र बनकर रह गई है। इसके अलावा पहले के पेंशनरों को पेंशन पर मिल रहा महंगाई भत्ते का लाभ और मेडिकल भत्ता भी एनपीएस से सेवानिवृत्त कर्मचारियों पर लागू नहीं होता जो एनपीएस कर्मचारियों के साथ अन्याय है। चुनाव से पहले बीजेपी और जजपा दोनों द्वारा ही सरकार बनने पर एनपीएस का मूल्यांकन करवा पुनः पुरानी पेंशन नीति की बहाली का वादा किया गया था, लेकिन अब मुलाना से विधायक वरुण चौधरी और रोहतक विधायक बीबी बत्रा द्वारा पुरानी पेंशन नीति की बहाली के लिए विधानसभा में दिए गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव को विधानसभा अध्यक्ष द्वारा वर्तमान का तत्काल मुद्दा नहीं है, बता इसे खारिज कर दिया गया।

रवीना टंडन

ने शेयर किया अपनी बेटी राशा का रिपोर्ट कार्ड, बोलीं- मेरी बच्ची 'ए' स्टार

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस रवीना टंडन सोशल मीडिया पर काफी ऐक्टिव रहती हैं। रवीना सोशल मीडिया पर काफी फोटोज और वीडियोज शेयर करती रहती हैं जिन्हें फैन्स पसंद भी करते हैं। अब उन्होंने अपनी बेटी राशा थडानी के स्कूल का स्कोर कार्ड इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। राशा के रिजल्ट के साथ ही उन्होंने एक वीडियो भी पोस्ट किया है जिसमें राशा खुशी से नाचती नजर आ रही हैं। रवीना की बेटी के स्कोर कार्ड में वर्ल्ड लिटरेचर, फिजिकल एजूकेशनन, ग्लोबल पर्सपेक्टिव, ज्यॉग्रफी, हिस्ट्री और इंग्लिश जैसे सभी सब्जेक्ट्स में ए ग्रेड मिला है। रवीना ने अपने पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा, 'मेरी बच्ची ए स्टार राशा थडानी।' राशा धीरूभाई अंबानी इंटरनैशनल स्कूल में पढ़ती हैं। रवीना के इस पोस्ट पर बॉलिवुड सिलेब्स और फैन्स राशा को बधाई दे रहे हैं। राशा के अलावा रवीना के 3 और भी बच्चे हैं। उनका एक बेटा रणबीर थडानी भी है। इसके अलावा रवीना ने साल 1995 में 8 साल की छाया और 11 साल की पूजा को भी अडॉप्ट किया था। तब रवीना केवल 21 साल की थीं। वर्क फ्रंट की बात करें तो रवीना जल्द ही नेटफ्लिक्स की सीरीज अरण्यक से डिजिटल प्लैटफॉर्म पर डेब्यू करने जा रही हैं। इस सीरीज में रवीना एक पुलिस अधिकारी के किरदार में नजर आएंगी। रवीना के साथ इसमें बांग्ला ऐक्टर परमब्रत चट्टोपाध्याय भी नजर आएंगे।

कंगना रनौत ने शेयर कीं अपनी सुपर ग्लैमरस तस्वीरें, फैन्स बोले- आपसे ये उम्मीद नहीं थी

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस कंगना रनौत अपनी फिल्मों के अलावा सोशल मीडिया पर भी खूब ऐक्टिव रहती हैं। सोशल मीडिया पर कंगना रनौत की बेबाक बयानी के साथ ही उनकी तस्वीरें और वीडियोज भी खूब पसंद किए जाते हैं। अब कंगना ने इंस्टाग्राम पर अपनी सुपर ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों के लोग काफी पसंद कर रहे हैं मगर कुछ लोगों को कंगना का यह ग्लैमरस अंदाज अखर भी रहा है। कंगना बुडापेस्ट में अपनी आने वाली फिल्म 'धाकड़' की शूटिंग कर रही थीं। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और इसकी रैपअप पार्टी से पहले कंगना ने ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में कंगना वाइट कोर्सेट ब्रालेट और पैंट्स में नजर आ रही हैं। कंगना ने अपनी इन ग्लैमरस तस्वीरों को शेयर करते हुए इंस्टाग्राम पर गालिब का एक शेर भी लिखा है। कंगना ने लिखा, 'मोहब्बत में नहीं है फर्क जीने और मरने का, उसी को देख कर जीते हैं जिस काफिर पे दम निकले।' वैसे तो कंगना की इन तस्वीरों को काफी लोग पसंद कर रहे हैं मगर कुछ फैन्स को कंगना का यह ग्लैमरस अंदाज रास नहीं आया है। एक यूजर ने तस्वीर के कॉमेंट में लिखा, 'आपसे ये उम्मीद नहीं थी कंगना, इतने वाहियात कपड़े यार।' एक अन्य यूजर ने कॉमेंट बॉक्स में लिखा, 'ओह देसी संस्कार पर ज्ञान तुम ही पेलती थी ना।' कंगना के एक और फैन ने लिखा, 'जब आपने अपनी इमेज एक सभ्य महिला सनातन को मानने वाली बनाई है तो फिर ये सब क्या है? दो चेहरे किसी के भी खराब होते हैं।' 'धाकड़' में कंगना रनौत एजेंट अग्नि के किरदार में नजर आएंगी।

अब निशांत भट्ट से अक्षरा सिंह

का हुआ गंदा वाला झगड़ा, कहा- माथा पर चढ़कर हगो मत

'बिग बॉस ओटीटी' में हर दिन अब एक नए लेवल का ड्रामा हो रहा है। एक के बाद एक हर कंटेस्टेंट का गेम प्लान भी समझ आने लगा है, वहीं अब शांत और सहज दिखने वाली भोजपुरी सुपरस्टार अक्षरा सिंह का किसी सुतली बम की तरह घरवालों पर बुरी तरह फट पड़ी हैं। अक्षरा सिंह इस वक्त घर की 'बॉस लेडी' हैं। मजेदार बात है कि उनका अपने कनेक्शन प्रतीक सहजपाल से भी झगड़ा हो गया है और अब वह निशांत भट्ट पर भी बुरी तरह भड़क गई हैं। लाइव फीड में निशांत और अक्षरा के बीच खाना पकाने और चॉपिंग को लेकर सुबह-सुबह झगड़ा हुआ है। मेकर्स ने शो का नया प्रोमो भी जारी कर दिया है, जिसमें निशांत और अक्षरा गार्डन एरिया में एक-दूसरे से भड़िते हुए नजर आ रहे हैं। अक्षरा का पारा इतना हाई हो जाता है कि वह चिल्लाते हुए कहती हैं, 'माथा पर चढ़कर हगो मत। रोड छाप मत समझो कोई भी।' इस पर निशांत भी जवाब देते हुए कहते हैं, 'मुझे जब जो बोलना है, मैं बोलूंगा।' इस पूरे झगड़े की शुरुआत जीशान खान से हुई। उन्हें चॉपिंग की जिम्मेदारी मिली है। वह अक्षरा से आकर कहते हैं, 'ये लोग खाना डिसाइड ही नहीं कर रहे हैं तो मैं चॉपिंग नहीं करूंगा।' इसके बाद मामला गार्डन एरिया में पहुंचता है। वहां निशांत कहते हैं कि अगर वो किचन में हैं तो कुछ चीजें उनकी मर्जी से भी होनी चाहिए। इस पर अक्षरा कहती हैं कि ये सब आपसी समझौते से होता है। जीशान कहते हैं कि वह किसी के नौकर नहीं हैं, जो अगले के कहने पर काम करेंगे। निशांत कहते हैं कि उन्हें अंदाजा नहीं है कितना प्याज और कितने टमाटर चॉप होने चाहिए। अक्षरा कहती हैं कि उन्हें पता है। इस पर निशांत कहते हैं कि आपको पता है तो आप कर लीजिए। यहीं पर अक्षरा का गुस्सा फूट पड़ता है। निशांत कहते हैं, 'अक्षरा जी आप बात मत करो। जहां बात करनी होती है, वहां तो आप करती नहीं हो।' इस पर अक्षरा चीख पड़ती हैं, वह कहती हैं, 'आप आप कर के बात कर रही हूं, माथा पर चढ़कर हगो मत। रोड छाप मत समझो। मुझे क्या करना है क्या नहीं करना है, ये मैं डिसाइड करूंगी।' इस पर निशांत भी चीखते हुए कहते हैं, 'तो करो...' अक्षरा बाद में चिल्लाते हुए नजर आती हैं, 'जंगली लोग हैं ये।'

करीना कपूर की तरह दिखता है छोटा बेटा जहांगीर

ऐक्ट्रेस बोलीं- मेरा जैसा है जेह, तैमूर है सैफ जैसा

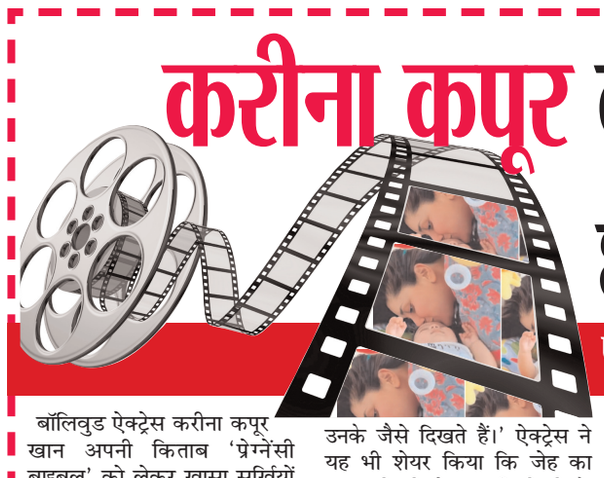

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस करीना कपूर खान अपनी किताब 'प्रेग्नेंसी बाइबल' को लेकर खासा सुर्खियों में हैं। इस किताब में करीना ने अपनी दोनों प्रेग्नेंसी से लेकर उस दौरान होने वाली मुश्किलों और इन मुश्किलों के बीच पति सैफ अली खान की सपोर्ट तक की बात की है। करीना अपनी किताब में लिखती हैं कि तैमूर और उनके छोटे बेटे जेह एक दूसरे से काफी अलग हैं। करीना ने किताब में लिखा,' टिम टिम सैफ अली खान की तरह दिखते हैं, जबकि जेह उनके जैसे दिखते हैं।' ऐक्ट्रेस ने यह भी शेयर किया कि जेह का जन्म भी सी-सेक्शन डिलीवरी के जरिए हुआ है। अपने बेटों के बारे में बात करते हुए, उन्होंने आगे कहा कि तैमूर अधिक तेज तर्रार है जबकि जेह शांत हैं। करीना अपने दोनों बच्चों के जन्म का किस्सा शेयर करते हुए किताब में लिखती हैं,' तैमूर जन्म के वक्त बिल्कुल भी नहीं चिल्लाया वहीं जेह काफी रो रहे थे। करीना ने कहा, 'मेरे दोनों बच्चे एक दूसरे से बहुत अलग हैं। टिम काफी हद तक सैफ की तरह दिखते हैं। जेह मेरे जैसा दिखता है। हालांकि तैमूर तीन महीने का था तभी से आउटगोइंग और तेज तर्रार हैं। वहीं जेह बहुत गंभीर और शांत है।' करीना कपूर अपने किताब में लिखती हैं कि डॉक्टरों ने उन्हें नेचुरल डिलीवरी करने की सलाह नहीं दी थी। डॉक्टरों के मुताबिक यदि सी सेक्शन के जरिए आप पहली बार मां बन चुकी हैं तो दूसरा बच्चा नेचुरल डिलीवरी से करना काफी मुश्किल है। ज्यादातर डॉक्टर इसकी सलाह नहीं देते हैं। करीना आगे लिखती हैं,' मैंने जेह के लिए 40 सप्ताह तक इंतजार किया और फिर सी सेक्शन का विकल्प चुना। मैं ओटी में बहुत असहज थी क्योंकि जेह अभी भी बहुत ऊंचा था और मेरी पीठ और डायाफ्राम पर काफी दबाव पड़ रहा था।' करीना कपूर और सैफ अली खान एक दूसरे को 5 साल तक डेट करने के बाद साल 2012 में शादी के बंधन में बंधें। करीना ने साल 2016 में अपने पहले बेटे तैमूर को जन्म दिया और साल 2021 फरवरी महीने में अपने दूसरे बेटे जेह को जन्म दिया।

माधवन

संग नजर आ रही इस लड़की का कलरफुल चेहरा आपकी छत पर दिखेगा, कइयों को अनुष्का शर्मा लगीं

बॉलिवुड ऐक्टर आर. माधवन ने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार फोटो शेयर किया है। इस तस्वीर को देखकर काफी लोग इसे अनुष्का शर्मा और कुछ माधुरी दीक्षित भी बता रहे हैं। माधवन के इस पोस्ट में बताया गया है कि इस लड़की का असली चेहरा आपको आपकी छत पर नजर आएगा। आर. माधवन ने जो यह लेटेस्ट पोस्ट किया है, उसमें एक लड़की के फोटो का नेगेटिव नजर आ रहा है। इस पोस्ट में बताया गया है कि इस लड़की का खूबसूरत चेहरा आपको अपनी छत पर नजर आएगा। यहां बताया गया है कि पहले इस लड़के के नाक पर मौजूद 3 डॉट्स को करीब 30 सेकंड तक बिना आंखें झपकाए गौर से देखिए और फिर अपनी छत की तरफ देखकर पलकें झपकाइए, लड़की का कलरफुल चेहरा आपको नजर आने लगेगा। फैन्स माधवन की इस पोस्ट को देखकर क्रेजी हुए जा रहे हैं और लगातार कॉमेंट्स कर रहे हैं। किसी को यह अनुष्का शर्मा लग रही हैं तो किसी को माधुरी दीक्षित नजर आ रही हैं। हालांकि, कुछ ने इस फोटो को देखकर अपना डर भी जाहिर किया है और लिखा है कि उन्हें भूतों से काफी डर लगता है। हाल ही में माधवन ने फ्लाइट के अंदर और एयरपोर्ट के कुछ मजेदार वीडियो शेयर किए थे, जो दुबई जाते हुए 26 जुलाई को उन्होंने शूट किया था। इस वीडियो में उन्होंने दिखाया था कि पूरी फ्लाइट में वह अकेले थे और यहां तक कि एयरपोर्ट पर भी नजर आनेवाले इकलौते पैसेंजर थे। वीडियो को देख लोगों ने काफी हैरानी जताई थी। बता दें कि आर. माधवन पिछले दिनों नेटफ्लक्सि की सीरीज 'दीकपल्ड' की शूटिंग में बिजी थे, जिसमें वह एक राइटर आर्य अय्यर की भूमकिा में नजर आएंगे। माधवन ने जुलाई के आखिर में ही इस सीरीज के पहले सीजन की शूटिंग पूरी की है।

इस तस्वीर को देखकर काफी लोग इसे अनुष्का शर्मा और कुछ माधुरी दीक्षित भी बता रहे हैं। माधवन के इस पोस्ट में बताया गया है कि इस लड़की का असली चेहरा आपको आपकी छत पर नजर आएगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार भारती ने वन्दना ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए-9, सराय पीपलथला एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया। सम्पादक : विजय कुमार भारती, मो0 : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2001/08863)

उपायुक्त, रोहिणी जोन, उ.दि.न.नि के संरक्षण में

ई.ई श्री राजेश ब्रिजवाल, पूर्व ई.ई श्री जे.पी.वर्मा ने बनाया परियोजना खण्ड को भ्रष्टाचार का अड्डा!

कार्यपालक, सहायक व कनिष्ठ अभियंता बने "अडानी"

परियोजना खण्ड, रोहिणी जोन के पूर्व ई.ई श्री जे.पी.वर्मा की मिलीभगत से किए करोड़ो के घोटाले....

सुल्तानपुरी, मंगोलपुरी और रोहिणी विधानसभा क्षेत्रों में सड़क, स्कूल, डिस्पेंसरी, सामुदायिक भवन नाला व महिला स्नान घर के विकास एवं निर्माण कार्यों में लगवाई घटिया निर्माण सामग्री।

मंगलम प्लेस, एम 2 के सेक्टर-३, रोहिणी की सड़क पर डैन्स कारपेट के निर्माण कार्य...

जी-ब्लॉक से एफ-ब्लॉक तक मंगोलपुरी में नाला निर्माण कार्य...

नई डिस्पेंसरी, सेक्टर-5, रोहिणी के निर्माण कार्य.....

विकास एवं निर्माण की काली कमाई से उपायुक्त, रोहिणी जोन, परियोजना खण्ड ई.ई श्री राजेश ब्रिजवाल और पूर्व ई.ई श्री जे.पी.वर्मा, ए.ई श्री आर.के जैन और जे.ई बने 'अडानी' करोड़ो रूपये की बेनामी सम्पत्ति खरीदी अपने व अपने रिश्तेदारों के नाम महंगी-महंगी लग्जरी कारों से चलते है, स्वयं व इनके परिवार

एप्पल का मोबाईल व लेपटॉप और पी.पी.डिजाईनर के कपड़े, रोलेक्स की घड़ी, बूची के जूते, लग्जरी कारो स्वंय व परिवार के लिए प्राईवेट ड्राइवर 20-20 हजार प्रतिमाह, शाम का डिनर बड़े रेस्टुरेंट, होटल और क्लबों और लाखों की ज्वैलरी और अडानी की तरह आलीशान जिन्दगी जी रहे है।

अध्यक्षः अपराध एवं भ्रष्टाचार निरोधक मोर्चा

विज्ञापन-जनहित में जारी.....